हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 23 जनवरी 2025 | अंक 102/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
क्या आप जोड़े के दर्द से परेशान हो ?
•जोड़ों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोध• सरवाइकल पेन
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअस्नेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।
नागपुर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपुर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

जलगांव में बड़ा रेल हादसा

जलगांव.

महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार शाम 4:42 बजे बड़ा ट्रेन हादसा हुआ। यहां पाचोरा स्टेशन के पास माहेजी और परधाड़े के बीच पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैली। इस दौरान किसी यात्री ने चेन पुलिंग कर दी। ट्रेन रुकी और घबराए यात्री कूद गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस ने कई यात्रियों को कुचल दिया।

जलगांव एसपी ने 11 लोगों की मौत की पुष्टि की है। 40 पैसेंजर्स से आदिक घायल होने की आशंका, सेंट्रल रेलवे के भुसावल डिवीजन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जहां घटना हुई, उस जगह पर शार्प टर्न था। इस वजह से दूसरे ट्रैक पर बैठे पैसेंजर्स को ट्रेन के आने का अंदाजा नहीं लगा। यही वजह रही कि कर्नाटक संपर्क क्रांति से इतनी बड़ी संख्या में लोग कुचले गए।

सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल निला ने बताया, भुसावल से मेडिकल रिलीफ ट्रेन निकल चुकी है। हादसे में किसी यात्री की फिलहाल मौत की जानकारी नहीं है। घटनास्थल मुंबई से 400 किलोमीटर दूर है।

ब्रेक लगने पर ट्रेन के पहिए से निकला था धुआं गाड़ी नंबर 12627 कर्नाटक एक्सप्रेस यशवंतपुर से हजरत निजामुद्दीन जा रही थी। जबकि पुष्पक एक्सप्रेस (12533) लखनऊ से मुंबई जा रही थी। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुष्पक एक्सप्रेस के एक कोच के अंदर 'हॉट एक्सल' या 'ब्रेक-बाइंडिंग (जैमिंग)' के कारण चिंगारी उठी और कुछ यात्री घबरा गए। उन्होंने जंजीर खींची और उनमें से कुछ नीचे कूद गए। जलगांव से भाजपा सांसद स्मिता वाघ ने बताया है कि इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने यह भी आशंका व्यक्त की कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, विशेषकर इसलिए कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है। योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर जताया दुःख पुष्पक एक्सप्रेस की घटना पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुःख जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा, "उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पक ट्रेन दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के लिए पर्याप्त चिकित्सा उपचार के आदेश दिए हैं, साथ ही यात्रियों की मौत पर भी शोक व्यक्त किया है।" गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया, महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ रेल हादसा अत्यंत दुःखद है। इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री @Dev_Fadnavis जी से बात कर हादसे की जानकारी ली। स्थानीय प्रशासन घायलों को हर संभव मदद पहुँचा रहा है। इस दुर्घटना में जान गँवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना: सीएम

जलगांव में हुए हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जलगांव जिले के पचोरा के पास एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कुछ लोगों की मृत्यु की घटना हुई है. मैं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं. मेरे सहयोगी मंत्री गिरीश महाजन और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंच गए हैं और कुछ ही देर में कलेक्टर भी वहां पहुंच रहे हैं. पूरा जिला प्रशासन रेलवे प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहा है और घायलों के इलाज की तत्काल व्यवस्था की जा रही है. 8 एंबुलेंस भेजी गई हैं. घायलों के इलाज के लिए सामान्य अस्पताल के साथ-साथ आसपास के अन्य निजी अस्पतालों को भी तैयार रखा गया है. ग्लास कटर, फ्लडलाइट आदि जैसी आपातकालीन प्रणालियां भी तैयार रखी गई हैं. हम पूरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और तुरंत सभी जरूरी सहायता मुहैया करा रहे हैं. मैं जिला प्रशासन के संपर्क में हूं.

पुष्पक एक्सप्रेस ने कुचला, 11 की मौत

देश में पांच बड़े रेल हादसे

2 जून 2023: ओडिशा में कोरोमंडल एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से टकराई। दोनों ट्रेनों के बिखरे डिब्बों से हावड़ा- बेंगलुरु एक्सप्रेस टकरा गई। इसमें 293 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

29 नवंबर 1998: जम्मू तवी-सियालदह एक्सप्रेस पंजाब में गोल्डन टेंपल मेल के पटरी से उतरे तीन डिब्बों से टकरा गई थी, जिसमें 212 लोगों की मौत हो गई थी।

2 अगस्त 1999: ब्रह्मपुत्र मेल उत्तर रेलवे के कटिहार डिवीजन के गैसल स्टेशन पर खड़ी अवध असम एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में 285 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

20 अगस्त 1995: उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद के पास पुरुषोत्तम एक्सप्रेस खड़ी कालिंदी एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में 400 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी।

खबरें! एक नजर में!!

अनंत सिंह बाल-बाल बचे मोकामा विधायक

नई दिल्ली. मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह बाल-बाल बच गए। मोकामा प्रखंड के नौरंगा-जलालपुर गांव में सोनू-मोनू गैंग ने फायरिंग की है। बताया जाता है कि पूर्व विधायक अनंत सिंह आज नौरंगा जलालपुर के दौअनंत सिंह बाल-बाल बच गएरे पर थे। इसी दौरान अनंत सिंह पर फायरिंग हुई। घटना के बाद नौरंगा गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। बाढ़ डीएसपी मौके पर कैंप कर रहे हैं।

सीबीआई की हाईकोर्ट में अपील

कोलकाता. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर संग हुए रेप और मर्डर मामले में बड़ा अपडेट आया है। सीबीआई ने दोषी संजय रॉय की निचली अदालत के फैसले के खिलाफ फांसी की सजा के लिए हाईकोर्ट में अपील है। कोलकाता की सियालदाह कोर्ट ने शनिवार को संजय रॉय को इस मामले में दोषी करार दिया था और सोमवार को संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

प्रयागराज के लिए 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेन

प्रयागराज. स्थित महाकुम्भ नगर में सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज रेल मंडल ने 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना तैयार कर ली है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रयागराज रेलवे के सीनियर पीआरओ अमित मालवीय ने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज रेलवे 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेन चलाएगा।

देशभर में 100 खुलेंगे नए सैनिक स्कूल अलप्पुझा

नई दिल्ली. भारत में शिक्षा की बुनियादी गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल खोलने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को केरल के अलप्पुझा में विद्याधिराज विद्यापीतम सैनिक स्कूल के वार्षिक दिवस समारोह के दौरान इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का केंद्र सरकार का फैसला भारत में बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और देश के समग्र विकास में योगदान देने के उसके प्रयासों का हिस्सा है।

अर्शदीप सिंह ने बनाया ऐतिहासिक कीर्तिमान

मुंबई. अर्शदीप सिंह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय टीम के लिए अहम कड़ी हैं और वह काफी किफायती गेंदबाजी भी करते हैं। वह डेथ ओवर्स में यॉर्कर और स्विंग के साथ कमाल की गेंदबाजी करते हैं। इस युवा गेंदबाज ने बहुत ही कम समय में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अब इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में उन्होंने पारी की शुरुआत में बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश किया है।

भीषण सड़क हादसा, 11 की मौत और 10 घायल

यालापुरा. कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के यालापुरा हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां गुलापुरा में सब्जी ले जा रहा ट्रक नियंत्रण खो बैठने के बाद एक ट्रिपर से टकरा गया, जिसमें ट्रक के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है और 10 लोग घायल हुए हैं। ये हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस सब्जी के ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे वह बुधवार तड़के 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया। पीड़ित, सभी फल विक्रेता, सावनूर से चले थे और फल बेचने के लिए यालापुरा मेले की ओर जा रहे थे। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने कहा कि ये सावनूर-हुबली रोड पर यात्रा कर रहे थे, ये दुर्घटना जंगली इलाके में हुई है। नारायण ने मीडिया को बताया, 'सुबह लगभग 4 बजे, ट्रक चालक दूसरे वाहन को साइड देने के चक्कर में एकदम बायीं ओर चला गया और लगभग 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया।' उन्होंने कहा कि घाटी में सड़क पर कोई सुरक्षा दीवार नहीं है। अधिकारी ने कहा, कुछ की मौके पर ही मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हुबली के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'....तो मैं बुलडोजर की व्यवस्था करूंगा'; गडकरी

पणजी. गोवा के विकास में राष्ट्रीय राजमार्गों के नए अध्याय जोड़ते हुए केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को वास्को में 4200 करोड़ रुपये की लागत से 6 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात दी। गडकरी ने इस मौके पर कहा कि दक्षिण गोवा को बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। हालांकि वह गोवा में सड़कों पर अतिक्रमण से काफी खफा दिखे और उन्होंने एक गोवा की सड़कों को अवैध कब्जे से मुक्त करने का अल्टीमेटम दे दिया। गडकरी ने कहा कि अगर अतिक्रमण नहीं हटता है तो वह खुद बुलडोजर लगाकर अतिक्रमण हटाने की व्यवस्था करेंगे।

गडकरी ने अतिक्रमण पर सख्त रुख दिखाते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से विनती है कि जब-जब निरीक्षण करते हैं, इस रास्ते पर सरकारी लोगों ने अतिक्रमण किया है, ऐसा मुझे डाउट है। इसकी चौड़ाई बराबर नहीं है। इस रास्ते की नपाई कर लें, अपने रिकॉर्ड के अनुसार जहां अतिक्रमण है वहां नोटिस दें। उन्होंने समय पर नहीं गिराया तो मैं बुलडोजर लगाकर गिरने की व्यवस्था करूंगा। दूसरा ऐसा है कि सीएम साहब से रिक्वेस्ट है कि फ्लाइंग जोन में कुछ अड़चन है। अपने लेवल पर मीटिंग बुलाएं। नेवी ने कहा है कि जगह उसकी है। मुझे लगता है कि नेवी की वाल कंपाउंड अतिक्रमण में है.

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करें: गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य संबंधित एजेंसियों को बांग्लादेश और म्यांमार से बड़ी संख्या में अवैध रूप से महाराष्ट्र आने वाले घुसपैठियों के खिलाफ तत्काल और उचित कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। शिवसेना उपनेता पूर्व सांसद राहुल रमेश शेवाले ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की गई मांग पर संज्ञान लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उक्त निर्देश दिये हैं. जहां अभिनेता सैफ अली खान पर बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा हमले की घटना ताजा है, वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय के इस आदेश से घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आने की संभावना है. 28 नवंबर, 2024 को गृह मंत्री अमित शाह को लिखे एक बयान में पूर्व सांसद राहुल शेवाले ने घुसपैठियों पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण का जिक्र किया। शेवाले ने अपने पत्र में लिखा कि टिआईएसएस द्वारा

जद (यू) मणिपुर में भाजपा से क्यों नाराज; वापस ले लिया

इम्फाल: जनता दल यूनाइटेड ने बुधवार को मणिपुर की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया. एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में एनडीए के घटक जनता दल यूनाइटेड) ने मणिपुर सरकार से औपचारिक रूप से अपना समर्थन वापस ले लिया है. अब राज्य विधानसभा में जेडीयू का एकमात्र विधायक अब विपक्ष की बेंच पर बैठेगा. जेडीयू के यह कदम मणिपुर के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के रूप में सामने आया है. जेडीयू का सन 2022 से राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन था. अब जेडीयू ने सत्तारूढ़ सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है. मणिपुर में जेडीयू के समर्थन वापसी की घटना कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी द्वारा पिछले साल नवंबर में समर्थन वापस लेने के कुछ ही महीनों के भीतर हुई है.

उल्लेखनीय है कि साल 2022 में जेडीयू के छह में से पांच विधायकों ने भाजपा के प्रति निष्ठा बदल ली थी, जिससे राज्य में भाजपा की स्थिति और मजबूत हो गई थी.

जेडीयू ने मणिपुर के राज्यपाल को समर्थन वापसी का पत्र भेज दिया है. जेडी(यू) के पीछे हटने के बावजूद उसके इस कदम से बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार की स्थिरता को तत्काल कोई खतरा होने की आशंका नहीं है. जेडीयू के एक मात्र विधायक अब सरकार का हिस्सा नहीं रहे हैं. राज्य विधानसभा में मजबूत बहुमत रखने वाली भाजपा के बिना किसी महत्वपूर्ण व्यवधान के सत्ता पर अपना कब्जा बनाए रखने की संभावना है.

टाटा समूह महाराष्ट्र में करेगा 30 हज़ार करोड़ का निवेश

दावोस: दावोस में विश्व आर्थिक मंच के पहले दिन महाराष्ट्र ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में 6,25,457 करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक ही दिन में इतने बड़े सौदे पर हस्ताक्षर होना एक नया रिकार्ड है। इस बीच, आज दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में निवेश सौदों पर हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कल कई कंपनियों के प्रमुखों से मुलाकात की और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के अलावा उन्हें महाराष्ट्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। टाटा समूह के चेयरमैन एन. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी कल चंद्रशेखरन से मुलाकात की। टाटा समूह 30,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। उन्होंने कार्ल्सबर्ग समूह के सीईओ जैकब अरुप एंडरसन से मुलाकात की। कार्ल्सबर्ग समूह ने महाराष्ट्र में निवेश की इच्छा व्यक्त की है और मुख्यमंत्री ने उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

देवेंद्र फडणवीस ने खुदरा क्षेत्र में काम करने वाले लुलु ग्रुप के प्रबंध निदेशक एमए यूसुफ अली से भी मुलाकात की। उन्होंने नागपुर में निवेश की इच्छा व्यक्त की है और महाराष्ट्र में विस्तार के लिए भी तैयार हैं।

देवेन्द्र फडणवीस ने रिन्यू पावर के चेयरमैन और सीईओ सुमंत सिन्हा से मुलाकात की। बीड जिले में 15,000 मेगावाट की पाइपलाइन और पवन ऊर्जा परियोजना पर चर्चा हुई।उन्होंने शिंदर इलेक्ट्रिक इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ दीपक शर्मा से भी मुलाकात की।

सीएम योगी ने मंत्रियों के साथ लगाई संगम में डुबकी

"महाकुंभ दौरे पर पहुंचे सीएम योगी ने मंत्रियों के साथ संगम में डुबकी लगाई और उसके बाद पूजन किया। सीएम योगी का स्नान करते हुए वीडियो भी सामने आया है।"

प्रयागराज.

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के दौरे पर हैं। इस दौरान सीएम योगी ने अपने मंत्रियों के साथ संगम में डुबकी लगाई है। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम भी मौजूद रहे। बता दें कि स्नान से पहले सीएम योगी ने कैबिनेट की बैठक भी की, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए।

कोई भी मेले के दौरान गंगा में डुबकी लगाने आता है तो उनके अंदर का बचपन बाहर आ जाता है. फिर चाहे वो सीएम योगी आदित्यनाथ और उनका मंत्रीमंडल ही क्यों न हो. भले ही वो राज्य के लिए बड़े फैसले लेते हैं और अक्सर ही बेहद व्यस्त रहते हैं लेकिन आस्था की डुबकी लगाते हुए उनका भी बचपना बाहर आ गया और उन्होंने भी अपने मंत्रीमंडल के साथ आनंद लेते हुए आस्था की डुबकी लगाई.

यहां कोई एक डुबकी, पांच डुबकी या फिर 11 डुबकी लगाता है और इस तरह का माहौल किसी भी गंभीर व्यक्ति को सहज कर देता है. उनके अंदर का बचपना बाहर लेता है. साथ ही मंत्रियों को भी सीएम के साथ इस तरह का मौका कम ही मिलता है. कैबिनेट की बैठक को गंभीरता के साथ खत्म करने के बाद अब सीएम योगी, मंत्रियों के साथ गंगा में आनंद के साथ आस्था की डुबकी लगाते हुए नजर आए.

महाकुंभ से योगी कैबिनेट के बड़े फैसले

> प्रयागराज म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रयाग के एक सुपर स्पेशेलिएटी हॉस्पिटल के एक बॉन्ड जारी करेगा. आगरा के लिए भी बॉन्ड जारी होगा. वाराणसी से भी बॉन्ड जारी होगा.
> प्रयागराज के पूरे क्षेत्र का समावेशी विकास किया जाएगा. पीएम मोदी के विजन के आधार पर प्रयागराज का विकास होगा.
> प्रयागराज और चित्रकूट को मिलाकर एक डिवेलपमेंट रीजन तैयार किया जाए.
> लखनऊ और उसके आसपास के जनपदों को मिलाकर 'स्टेट कैपिटल रीजन'के जरिए विकास का प्लान बनाया गया है, उसी तर्ज पर प्रयागराज का विकास होगा.
> इसके लिए गंगा एक्सप्रेस-वे का एक्सटेंशन किया जाएगा. गंगा एक्सप्रेस-वे प्रयाराज से मिर्जापुर, मिर्जापुर से भदोही होते हुए संत रविदास नगर होते हुए यह काशी, चंदौली और गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के साथ जुड़ेगा.
> वाराणसी और चंदौली से यही एक्सप्रेस वे सोनभद्र को जोड़ते हुए नैशनल हाइवे के साथ जुड़ेगा.
> प्रयागराज की तर्ज पर वाराणसी-बिंद डिवेलपमेंट रीजन बनाया जाएगा. नीति आयोग के साथ बातचीत जारी है.
> युवाओं को स्मार्ट फ़ोन और टेबलेट मुहैया कराने पर भी बात हुई. बलरामपुर में अटल बिहारी वाजपेयी में अस्पताल को मेडिकल कॉलेज में बदलने का प्रस्ताव पास हुआ. बागपत, कासगंज समेत 3 शहरों में मेडिकल कॉलेज बनाने पर सहमति बनी.
> प्रयागराज में यातायात एक चुनौती है. केंद्र सरकार की मदद से लखनऊ से रायबरेली के रास्ते को चौड़ा करने का काम किया जा रहा है. प्रयागराज के नया फ़ोर लेन ब्रिज राज्य सरकार बनायेगी. कैबिनेट ने आज इसको मंज़ूरी दी है.
> प्रयागराज, आगरा और वाराणसी नगर निगम के लिए बांड जारी किए जाएंगे. चित्रकूट से प्रयागराज के हिस्से को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को गंगा एक्सप्रेसवे को जोड़ने पर भी काम होगा.

जम्मू में रहस्यमयी बीमारी से 17 लोगों की गई जान

राजौरी: जम्मू कश्मीर के राजौरी में रहस्यमयी बीमारी फैली हुई है। इस बीमारी से राजौरी संभाग के सुदूर बधाल गांव में 17 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और ये सभी 17 लोग तीन अलग-अलग परिवारों से हैं। ऐसे में सरकार ने पूरे गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है और लोगों के सामूहिक मिलन और कार्यक्रम पर रोक लगाई है।

निषिद्ध क्षेत्रों में परिवारों को प्रदान किए जाने वाले सभी भोजन की निगरानी के लिए अधिकारियों/ कर्मचारियों को नामित किया गया है।

सील की जा चुकी है बावड़ी

इससे पहले खबर आई थी कि गांव में मौजूद एक बावड़ी को सील कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक ये बात सामने आई थी कि झरने के पानी में कुछ कीटनाशक पाए गए हैं। इसके साथ ही बावड़ी के पास 24 घंटे सुरक्षाकर्मियों के तैनात रहने का आदेश दिया गया था। बताया गया था कि बावड़ी में कीटनाशकों की मौजूदगी पाई गई है।

इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बधाल गांव में मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी टीम के गठन का आदेश दिया था।

सरकार ने क्या फैसला लिया?

>बधाल को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया।
>जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बधाल में बीएनएसएस की धारा 163 (पहले 144 सीआरपीसी) लगाई गई।
>प्रभावित परिवारों के घरों को सील किया जाएगा।
>पूरे इलाके को 3 जोन में बांटा गया है।
>सभी सार्वजनिक और निजी समारोह प्रतिबंधित हैं।

CMYK

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अगले पांच सालों तक जारी रहेगा

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को पांच वर्ष तक विस्तार देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे को बढ़ाने और स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढ़ांचे का मजबूत करने में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह मिशन वर्ष 2021 में शुरु किया गया था।

उन्होंने कहा कि इस मिशन से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि मिशन के आवंटन की घोषणा आगामी बजट में की जाएगी। पीयूष गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने वित्त वर्ष 2021-24 के बीच 12 लाख से अधिक अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मियों को शामिल किया गया है। इस मिशन में देशभर में 220 करोड़ कोविड-19 वैक्सीन की खुराक दी गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 1990 के बाद से एमएमआर में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक गिरावट 45 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने वर्ष 1990 के बाद से 60 प्रतिशत की वैश्विक कमी की तुलना में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 75 प्रतिशत की अधिक कमी प्रदर्शित की है। टीबी की घटना वर्ष 2015 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 237 से घटकर 2023 में 195 हो गई है। इसी अवधि में टीबी मृत्यु दर 28 से घटकर 22 हो गयी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों की संख्या 1.72 लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन ने 2.61 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई। भारत ने खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान में 97.98 प्रतिशत लक्ष्य किया गया है।

किसानों के लिए खास होगा ये बजट

5 लाख हो सकती है केसीसी की लिमिट

नई दिल्ली.

हर साल केंद्रीय बजट का सबसे ज्यादा इंतजार करने वाला जो क्षेत्र माना जाता है वह है कृषि और ग्रामीण क्षेत्र। हालांकि, कृषि सालभर चलने वाली प्रक्रिया है और इसमें से कई बड़े फैसले राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन फिर भी केंद्रीय बजट यह दिखाता है कि केंद्र सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था के इस महत्वपूर्ण हिस्से को किस नजरिए से देखती है। कृषि और ग्रामीण क्षेत्र के लिए पर्याप्त फंडिंग से पूरी अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार मिलती है और उपभोग में वृद्धि होती है। इसी संदर्भ में कई अर्थशास्त्री बजट घोषणाओं के जरिए ग्रामीण क्षेत्र के प्रति केंद्र के नजरिए को लेकर

संकेत तलाशते हैं। जब से 2014 में एनडीए सरकार सत्ता में आई है, कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए बजटीय आवंटन में कई गुना इजाफा हुआ है। हालांकि, कुछ आलोचकों का कहना है कि यह वृद्धि कुछ हद तक केवल लेखा-जोखा का नतीजा है, जैसे कि अल्पकालिक फसल ऋण पर ब्याज सब्सिडी का खर्च वित्तीय सेवाओं के विभाग के तहत पहले था, जिसे एक साल कृषि मंत्रालय के बजट में जोड़ दिया गया।

लेकिन सच यह है कि पर आवंटन में भी बढ़ोतरी हुई है, जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पर वार्षिक आवंटन, जो 2018 के बजट से शुरू हुआ था (संसदीय चुनावों से ठीक पहले) और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा सब्सिडी पर बढ़ता खर्च। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार के पास कृषि और ग्रामीण मंत्रालयों में एक नए मंत्री के रूप में अनुभवी शिवराज सिंह चौहान हैं। चौहान ने जून 2024 में कार्यभार संभालने के बाद से कृषि भवन में काम करने के एक नए तरीके की शुरुआत की है, जिसमें राज्यों और बातचीत को अधिक महत्व दिया गया है। हालांकि, इसके साथ मोदी सरकार की प्राथमिकताओं को भी मजबूती से बनाए रखा गया है।

कृषि अनुसंधान और विकास के लिए नई फंडिंग?

❑ लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या केंद्रीय बजट 2025 में कृषि अनुसंधान और विकास के लिए फंडिंग में किसी प्रकार का बड़ा बदलाव होगा? क्या यह कृषि बजट के कुल हिस्से में अनुसंधान और विकास के खर्चे को बढ़ाने की कोशिश करेगा? जलवायु संकट के दिनों-दिन गंभीर होते जाने के साथ, देश की खेती प्रणाली को भविष्य के लिए तैयार करना भी जरूरी है। चौहान के कुछ बड़े फैसले इस बदलाव को दर्शाते हैं, जिनमें योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और व्यापक स्वीकार्यता सुनिश्चित करने के लिए चीजों को बदलाव करना आदि शामिल हैं।

पीएनसी-केकेआर ने 9,000 करोड़ का किया सौदा

मुंबई.

इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक के साथ, पीएनसी-केकेआर सौदा 31 मार्च 2025 तक पूरा होने की राह पर है क्योंकि पीएनसी इंफ्राटेक लेनदेन के लिए शर्तों (सीपी) को पूरा करने की प्रक्रिया में है। सौदे के तहत प्रमुख सीपी में से एक में हाइवे प्राधिकरणों से नियंत्रण अनुमोदन में बदलाव और परियोजनाओं के लिए ऋणदाताओं से अनापत्ति प्रमाण पत्र शामिल थे।

पीएनसी ने अब 8 परिसंपत्तियों के लिए एनएचएआई से नियंत्रण में बदलाव की मंजूरी प्राप्त कर ली है, और 2 और परिसंपत्तियों के लिए

मंजूरी जनवरी 2025 तक मिलने की उम्मीद है। लगभग सभी ऋणदाताओं से एनओसी भी प्राप्त कर ली गई है। नवंबर और जनवरी के बीच स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 20 जनवरी तक पीएनसी ने निम्नलिखित आठ हाइवे संपत्तियों के लिए एनएचएआई से मंजूरी हासिल कर ली कंपनी इस वित्त वर्ष के अंत तक 12 संपत्तियों में से 10 के लिए सौदा पूरा करने में सक्षम होगी, जिसमें कुल सौदा मूल्य का 85 फीसदी शामिल होगा।

बाकी 2 संपत्तियों का सौदा वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही तक पूरा हो जाएगा। यह विनिवेश भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र के लिए उल्लिखित महत्वाकांक्षी विकास दृष्टिकोण का लाभ उठाने के लिए परिचालन सड़क परिसंपत्तियों में निवेश की गई पूंजी को रिसाइक्लिंग करने के कंपनी के रणनीतिक उद्देश्य के साथ जुड़ा हुआ है। पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड और पीएनसी इंफ्रा होल्डिंग्स लिमिटेड, पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ने केकेआर समर्थित हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (एचआईटी) के साथ 15 जनवरी, 2024 को निश्चित समझौते पूरे किए थे।

इसमें पीएनसी की 12 सड़क संपत्तियों का विनिवेश शामिल है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान राज्यों में लगभग 3,800 लेन किलोमीटर के साथ 11 राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) हाइब्रिड वार्षिकी मोड (एचएएम) संपत्ति और 1 राज्य राजमार्ग बीओटी टोल संपत्ति शामिल है। 12 परिसंपत्तियों के लिए लेनदेन 9,005.7 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज मूल्य पर किए जाने का प्रस्ताव है और यह हाइवे क्षेत्र में सबसे बड़े अधिग्रहणों में से एक है।

मेटा की पूर्व सीओओ पर ईमेल डिलीट करने पर रोक

नई दिल्ली.

मेटा की पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) शेरिल सैंडबर्ग को कैंब्रिज एनालिटिका गोपनीयता मामले से जुड़े ईमेल डिलीट करने के लिए अदालत द्वारा दंडित किया गया है। गौरतलब है कि शेरिल सैंडबर्ग को उन ईमेल्स को सुरक्षित रखने के लिए कहा गया था। डेलावेयर की अदालत के जज वाइस चांसलर ट्रैविस लास्टर ने कहा कि सबूतों से पता चलता है कि सैंडबर्ग ने फर्जी नाम से एक व्यक्तिगत ईमेल खाता बनाया और उनमें से कुछ ईमेल्स को पहले ही हटा दिया, जो संभवतः मामले के हितधारकों से जुड़े थे।

प्रतिबंध के चलते अब शेरिल सैंडबर्ग के सामने अपना पक्ष रखना और अप्रैल में होने वाले आठ दिवसीय, गैर-जूरी परीक्षण में देयता से बचना मुश्किल हो जाएगा। जज ने शेरिल को शेयरधारकों द्वारा किए गए प्रतिबंध प्रस्ताव से संबंधित खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया। हालांकि सैंडबर्ग ने अपने जीमेल खाते से कुछ ईमेल्स पहले ही हटा दिए हैं, इसलिए आशंका है कि मामले से जुड़ी अहम और संवेदनशील जानकारी पहले ही

खत्म हो चुकी है।

अदालत द्वारा शेरिल पर प्रतिबंध लगाने पर अभी तक मेटा या सैंडबर्ग की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। जब फेसबुक पर लाखों उपयोगकर्ताओं के डेटा को कैंब्रिज एनालिटिका द्वारा एक्सेस करने की अनुमति देने का आरोप लगा था। कैंब्रिज एनालिटिका एक राजनीतिक परामर्श फर्म है, जिसने साल 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के प्रचार अभियान का काम किया था। कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों पर उपयोगकर्ताओं के इस्तेमाल और संघीय व्यापार आयोग के साथ साल 2012 के सहमति आदेश का उल्लंघन करके निवेशकों को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे।

विनिर इंजीनियरिंग लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

नागपुर. विनीर इंजीनियरिंग लिमिटेड, एक एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान कंपनी जो उद्योगों और अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए विशिष्ट, महत्वपूर्ण और भारी, सटीक-फोर्ज्ड और मशीनी घटकों के निर्माण में लगी हुई है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ("सेबी") के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ("डीआरएचपी") दाखिल किया है। आईपीओ में 2 रुपये अंकित मूल्य वाले 53,300,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में नीतेश गुप्ता (प्रवर्तक विक्रयकर्ता शेयरधारक) द्वारा 2 रुपये अंकित मूल्य वाले 53,300,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। विनीर इंजीनियरिंग लिमिटेड एक एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान कंपनी है जो ऊर्जा, रक्षा, एयरोस्पेस, रेलवे, ऊर्जा टर्बाइन, हाइड्रोलिक्स, अर्थमूविंग, हाई-एंड इंजीनियरिंग सहित कई उद्योगों और अनुप्रयोगों के लिए विशेष, महत्वपूर्ण और भारी, सटीक-फोर्ज्ड और मशीनी घटकों के निर्माण में लगी हुई है। ये घटक विभिन्न प्रणालियों और अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे कि बख्तरबंद वाहन, आयुध और गोला-बारूद, लड़ाकू उपकरण, सैन्य हार्डवेयर, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम तेल और गैस प्रणाली, क्रायोजेनिक्स सिस्टम, विमान प्रणोदन प्रणाली, पावर टर्बाइन, गैस टर्बाइन, रेलवे लोकोमोटिव और ब्रेकिंग सिस्टम, परमाणु ऊर्जा अवसंरचना उपकरण, भारी शुल्क उत्खनन मशीनरी, स्पेसफ्रेम, हाइड्रोलिक घटक, पवन टर्बाइन जनरेटर और उच्च दबाव बॉयलर, अन्य। कंपनी मिश्र धातु इस्पात, टाइटेनियम, हेस्टेलॉय, कार्बन स्टील, स्टेनलेस स्टील, डुप्लेक्स स्टील, विशेष स्टील, इनकोनेल, मोनेल और एल्युमीनियम सहित कई धातुओं का उपयोग करके महत्वपूर्ण और भारी परिशुद्धता-फोर्ज्ड और मशीनीकृत घटकों के उत्पादन में माहिर है। वित्त वर्ष 2024 में भारतीय गैर-ऑटोमोटिव प्रेसिजन मशीन फोर्जिंग बाजार का मूल्य 13,117 करोड़ रुपये था, जो कुल फोर्जिंग मांग का 70 फीसदी है और वित्त वर्ष 2024 से 2030 तक 8 फीसदी की सीएजीआर पर 2030 तक 20,814 रुपये तक बढ़ने का अनुमान है, जो मुख्य रूप से ऊर्जा (तेल और गैस), ऊर्जा टर्बाइन एयरोस्पेस और रक्षा, अर्थमूविंग, हाइड्रोलिक्स और खनन और रेलवे जैसे गैर-ऑटोमोटिव अंतिम उपयोग क्षेत्रों से मांग में वृद्धि से प्रेरित है। यह विनिर इंजीनियरिंग लिमिटेड जैसे खिलाड़ियों के लिए अच्छा संकेत है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

ईपीएफओ से नवंबर 2024 में 14.63 लाख सदस्य जुड़े

नई दिल्ली. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नवंबर 2024 का अस्थायी पेरोल डेटा जारी किया है। इसके अनुसार, संगठन से जुड़े नए सदस्यों की संख्या में 14.63 लाख का इजाफा हुआ है। अक्तूबर 2024 की तुलना में नवंबर में सदस्यों की संख्या में 9.07% की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, साल दर साल आधार पर नवंबर 2023 की तुलना में सदस्यों की संख्या में 4.88 फीसदी की वृद्धि हुई।

ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार रोजगार के अवसर और कर्मचारी के बीच मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ी है। ईपीएफओ ने पेरोल डेटा (नवंबर 2024) की मुख्य विशेषताओं को बताते हुए कहा कि नवंबर 2024 में लगभग 8.74 लाख नए सदस्यों को नामांकित किया गया। अक्टूबर 2024 के पिछले महीने की तुलना में नए सदस्यों का जुड़ाव 16.58 फीसदी बढ़ा। सालाना आधार पर बात करें तो नवंबर 2023 की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 18.80 फीसदी की वृद्धि हुई है।

बीमा कंपनियों के अस्तित्व पर क्यों मंडरा रहा खतरा?

नई दिल्ली.

सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों की ट्रेड यूनियनें और उसके कर्मचारी, मौजूदा स्थिति को लेकर आक्रोशित हैं। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (डब्ल्यूएफटीयू) के उप महासचिव और एशिया प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी सी. श्रीकुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक ज्ञापन सौंपा है। इसमें 8 प्रमुख मांगों का जिक्र किया गया है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

श्रीकुमार ने बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई का विरोध करते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों का समाधान करने का अनुरोध किया है। मौजूदा परिस्थितियां सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अस्तित्व के लिए एक चुनौती बन गई हैं। जनरल इंश्योरेंस एम्प्लॉइज ऑल इंडिया एसोसिएशन के नेता अमरजीत कौर, बिनॉय विश्वम पूर्व सांसद और त्रिलोक सिंह भी कई बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर बीमा क्षेत्र के कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लागू करने का आग्रह कर चुके हैं।

डब्ल्यूएफटीयू एपीआरओ ने वित्त मंत्री से इन मुद्दों पर सही परिप्रेक्ष्य में विचार करने, सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ताओं को मजबूत करने और भारत की वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका को सुरक्षित करने के लिए उचित निर्णय लेने की अपील

की है। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस के एशिया प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा कहा गया है कि यह क्षेत्र वर्तमान में लंबे समय तक कुप्रबंधन और सरकार द्वारा अपनाई जा रही नीतियों के कारण गंभीर वित्तीय अस्थिरता और संगठनात्मक अक्षमता से ग्रस्त है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाकर बीमा क्षेत्र को और अधिक उदार बनाने के सरकार के कदम से सार्वजनिक क्षेत्र में बीमा कंपनियों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

इसके मद्देनजर, बीमा क्षेत्र में सौ प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया गया है। ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि एफडीआई की सीमा बढ़ाने से बीमा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है।

सोना बढ़कर 82100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

नई दिल्ली. अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 100 रुपये बढ़कर 82,100 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। सोमवार को यह बहुमूल्य धातु 82,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 100 रुपए बढ़कर 81,700 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 81,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, मंगलवार को चांदी की कीमत 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। इस बीच, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार

में फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत मंगलवार को 426 रुपये अथवा 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,970 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी एवं करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, "एमसीएक्स पर सोना बढ़त के साथ 79,000 रुपये पर पहुंच गया। ट्रंप द्वारा मैक्सिको और कनाडा से आयात पर शुल्क बढ़ाने की घोषणा के बाद व्यापार अनिश्चितता बढ़ने से यह तेजी आई।"

ट्रंप के आगे खाड़ी देशों की सारी पॉलिसी होगी फेल

नई दिल्ली.

जब से डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभाली है. तब से कच्चे तेल की कीमतों में 2 फीसदी की कटौती देखने को मिल चुकी है. मतलब साफ है कि अब अमेरिकी तेल की सप्लाई बढ़ेगी. इसके अलावा खाड़ी देशों के ऑयल प्रोड्यूसर्स के संगठन ओपेक और ओपक प्लस की सभी पॉलिसी इस मामले में फेल होंगी. इसका फायदा दुनिया के उन देशों को मिलेगा. जो अपनी जरूरत का 80 फीसदी कच्चा तेल इंपोर्ट करते हैं.

इसमें भारत का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है. मौजूदा समय में ओपेक ने कच्चे तेल की कीमतों को हाई रखने के लिए प्रोडक्शन में कटौती की हुई है. वहीं दूसरी ओर खाड़ी देशों की जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से कच्चे तेल की सप्लाई में सेंध लगी हुई है. जिसकी वजह से कच्चे तेल के दाम 80 डॉलर के करीब बने हुए हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस मामले में जानकारों का क्या कहना है?

ग्लोबल पॉलिटिक्स के साथ-साथ ग्लोबल इकोनॉमी में डोनाल्ड ट्रंप की एंट्री हो चुकी है. उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि एक बार फिर से अमेरिकी में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन को बूस्ट मिलेगा. इससे इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की सप्लाई में इजाफा होगा.

कम होंगी कच्चे तेल की कीमतें

ग्लोबल ऑयल और गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी और भारतीय कंज्यूमर समेत दुनिया के उन तमाम देशों को को लाभ होगा, जो क्रूड ऑयल के इंपोर्ट पर ज्यादा निर्भर हैं. रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के सीईओ मुकेश सुराणा ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा कि अगर राष्ट्रपति ट्रम्प वही करते हैं जो वह कहते रहे हैं, तो अमेरिका में ड्रिलिंग को बढ़ावा मिलेगा. शेल प्रोडक्शन तेजी से बढ़ाया जा सकता है और अमेरिका के पास बहुत सारे शेल रिसोर्स हैं. इससे अपस्ट्रीम में कैपिटल एक्सपेंडिचर का फ्लो बढ़ेगा और ग्लोबल सप्लाई में बढ़ोतरी होगी.

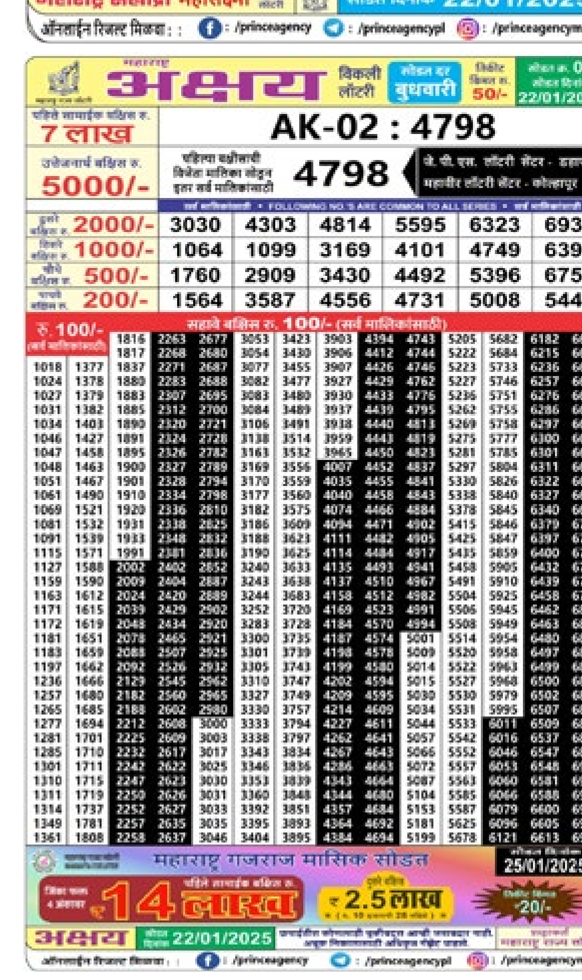

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

परेल में एक और केईएम अस्पताल

100 साल का प्रशासन और मरीजों की सेवा बड़ी बात है: एकनाथ शिंदे

मुंबई.

"किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) अस्पताल और सेठ गोर्धनदास सुंदरदास मेडिकल कॉलेज एक ऐतिहासिक स्मारक है। 100 साल का प्रशासन और 100 साल तक मरीजों की सेवा करना बहुत बड़ी बात है। इसलिए, मैं अस्पताल के सभी डॉक्टरों, डीन, नर्सों, कर्मचारियों और स्वच्छता कार्यकर्ताओं को अस्पताल के शताब्दी वर्ष पर हार्दिक बधाई देता हूं। क्योंकि 100 साल का यह कार्यकाल बहुत लंबा है". यह उद्गार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने व्यक्त किये. इस शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में (22 जनवरी) एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शामिल हुए।

उन्होंने कहां "जब यह अस्पताल शुरू हुआ था, तब आबादी 20 लाख थी। वर्तमान में जनसंख्या दो करोड़ से अधिक है। लेकि न उस समय की जनसंख्या को देखते हुए इस अस्पताल का निर्माण कराया गया। मुंबई लोकल को हम मुंबईकरों का लोकल चैनल कहते हैं, उसी तरह के.ई.एम. मुंबई में रोगी की देखभाल मुंबईकरों के लिए महत्वपूर्ण है। इस अस्पताल में आने वाला हर मरीज आस्था लेकर आता है। एकनाथ शिंदे ने कहा, यहां के डॉक्टर और कर्मचारी मरीजों के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि वे उनके परिवार के सदस्य हों, और मरीज ठीक होने के बाद घर चला जाता है। इस कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कई अहम सुझाव दिए हैं.

> कुछ महीने पहले के.ई.एम. अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया. उस समय, छह वार्डों को निर्माण के लिए बंद कर दिया गया था। लेकिन अब उन छह वार्डों को सभी सुविधाओं से लैस कर तैयार कर दिया गया है.
> अस्पताल में मरीजों की संख्या अस्पताल पर दबाव बढ़ा रही है. ऐसे में अस्पताल पर दबाव कम करने के लिए एक और भवन की जरूरत है। इसलिए मैंने कमिश्नर को इस स्थान पर आयुष्मान शताब्दी टावर बनाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में इस बिल्डिंग का काम शुरू हो जाएगा और हजारों से ज्यादा मरीजों को राहत मिलेगी.
> मरीजों के परिजनों को होने वाली असुविधा के समाधान के लिए इस स्थान पर जगह आरक्षित कर उसका निर्माण भी कराया जायेगा.
> जिन मरीजों को दवा लेने के लिए आर्थिक तनाव का सामना करना पड़ता है, उन्हें मुफ्त दवाएं दी जाती हैं।
> यह भी सुझाव दिया गया है कि शून्य नुस्खे से 100 प्रतिशत रोगियों को लाभ मिलना चाहिए।

विष्णु चाटे जैसे अपराधी के लिए जेल कि चॉइस क्यों? अंजलि दमानिया

बीड.

बीड के मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले को सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने बखूबी संभाला है. हाल ही में उन्होंने एक नया दावा किया है. इस समय उन्होंने दावा किया है कि संतोष देशमुख हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपी विष्णु चाटे पर विशेष नजर रखी जा रही है. क्योंकि, हाल ही में विष्णु चाटे ने बीड की जगह लातूर जेल की मांग की थी. इसके बाद उन्हें लातूर की एक जेल में बंद कर दिया गया। इन दावों पर सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने कई खुलासे किए हैं. उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने इस जेल की मांग इसलिए की है क्योंकि लातूर जेल में आरोपी विष्णु चाटे के रिश्तेदार और करीबी लोग हैं.

मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में भी विष्णु चाटे शामिल है. सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने कहा, उन्होंने बीड जेल के बजाय लातूर जेल की मांग की। साथ ही, इस छोटे अपराधी को जेल चुनने का मौका क्यों दिया जाए? उन्होंने भी ऐसा सवाल उठाया है. इस समय उन्होंने विष्णु छाता की यह मांग पूरी होने पर संदेह जताया है. अंजलि दमानिया ने ट्वीट कर कहा कि लातूर की एक जेल में विष्णु चाटा के पास एक लॉबी काम कर रही है. उनके करीबी रिश्तेदार नारायण मुंडे हैं. इस बार अंजलि दमानिया ने आरोप लगाते हुए उन्हें सूबेदार बताया है. अंजलि दमानिया ने दावा किया है कि दूसरे मुरलीधर गित्ते बंदूकवाला फड़ के बहनोई हैं. इसके अलावा तीसरे व्यक्ति श्रीकृष्ण चौरे हैं जो चाटा के मौसेराभाई हैं।

फसल बीमा कंपनियों का जानबूझकर परेशान करने का प्रयास: धनंजय मुंडे

बीड.

कुछ फसल बीमा कंपनियाँ जानबूझकर इन किसानों को परेशान करने की कोशिश कर रही हैं। क्या इससे किसानों को अलग विकल्प दिया जा सकता है? पूर्व कृषि मंत्री और मौजूदा मंत्री धनंजय मुंडे ने कहा है कि इस पर विचार करने की जरूरत है. महाराष्ट्र में फसल बीमा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं. विशेषकर बीड और धाराशिव जिलों में फसल बीजेपी विधायक सुरेश धस आरोप लगा रहे थे कि बीमा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है. इस लिहाज से उनका पैसा परली तालुका और दूसरी तरफ धनंजय मुंडे के पास था. मुंडे ने पहली बार इस पर प्रतिक्रिया दी है.

महाराष्ट्र में कुछ फसल बीमा कंपनियां जानबूझकर इन किसानों को मुसीबत में डालने की कोशिश कर रही हैं। यह देखने के बाद मैंने ही कृषि आयुक्त को पत्र दिया था. क्या किसानों को फसल बीमा का कोई विकल्प दिया जा सकता है? इसका अध्ययन करने को कहा गया. क्या हम कृषि आयुक्त की अध्यक्षता में कोई अलग विकल्प देने पर विचार कर सकते हैं? धनंजय मुंडे ने कहा है कि ऐसा पत्र दिया गया है. फसल बीमा कंपनियों में भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद पहली बार धनंजय मुंडे की प्रतिक्रिया सामने आई है. देश के कुछ राज्यों ने फसल बीमा से किनारा कर लिया है। इसमें गुजरात जैसे राज्य भी शामिल हैं. क्या यही विकल्प महाराष्ट्र में भी दिया जा सकता है? मुंडे ने कहा है कि यह अध्ययन जरूरी है.

5 दिन में ही इतना फिट?' संजय निरुपम

मुंबई.

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं. हॉस्पिटल से निकलने के बाद सैफ चलने-फिरने में बिल्कुल फिट नजर आए. हालांकि, उनके हाथ और गर्दन पर पट्टी लगी हुई थी. सैफ अली खान को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं. कहा जा रहा है कि डॉक्टरों ने बताया था कि सैफ को गहरी चोट लगी है, तो फिर इतनी जल्दी वे बिल्कुल फिट कैसे हो गए.

शिवसेना (शिंदे) लीडर संजय निरुपम ने सैफ अली खान को लेकर सवाल उठाया है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "डॉक्टरों का कहना था कि सैफ अली खान की पीठ में 2.5 इंच अंदर तक चाकू घुसा था. संभवतः अंदर ही फंसा था. लगातार 6 घंटे ऑपरेशन चला. यह सब 16 जनवरी की बात है. अस्पताल से निकलते ही इतना फिट? सिर्फ 5 दिन में? कमाल है!" सैफ अली खान से जुड़े मसले पर बातचीत में संजय निरुपम ने कहा कि हम चाहते हैं कि सैफ स्वस्थ रहें, जब हमला हुआ तो पूरी मुंबई पर सवाल खड़ा कर दिया. सरकार पर सवाल उठाए गए लेकिन जब वो हॉस्पिटल से बाहर आए, तो हमारे मन में कुछ संवालआए.

संजय निरुपम ने आगे कहा, "2.5 इंच का चाकू घुसा, ऑपरेशन हुआ लेकिन अस्पताल से सैफ उछलते-कूदते हुए निकले. 4 दिन में कोई इतना ठीक हो सकता है क्या? अस्पताल ने कहा कि सैफ लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचे थे. सैफ का वो सीसीटीव्ही फुटेज कहां है? क्या नाबालिग बच्चा अपने बाप को लेकर अस्पताल जा सकता है?" उन्होंने आगे कहा कि 8 नौकर उनके घर में थे, फिर भी इतना बड़ा हमला कैसे हो गया. पुलिस ने भी 3 दिन में 3 अभियुक्त पकड़ लिए. पुलिस के रवैये से भी हम परेशान हैं. क्या अभियुक्त सच में बांग्लादेशी है भी या नहीं? देखना होगा कि क्या कोई खेल रहा है क्या?

कांग्रेस 25 को प्रदेशभर में करेगी प्रदर्शन; नाना पटोले

मुंबई. महाराष्ट्र कांग्रेस ने पिछले साल हुए राज्य विधानसभा चुनावों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए 25 जनवरी को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की मंगलवार (21 जनवरी) को घोषणा की. हर साल 25 जनवरी को भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष नाना पटोले ने मीडिया से बातचीत में कहा, ''पार्टी 25 जनवरी को पूरे महाराष्ट्र में जिला और तालुका स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी. पार्टी के प्रमुख नेता विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे.'' उन्होंने सत्तारूढ़ BJP और निर्वाचन आयोग पर नवंबर 2024 में हुए राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान वोटों में हेराफेरी कर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया.

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे स्वच्छ, सुंदर बसस्थानक अभियान"

> 3 करोड़ रुपये के पुरस्कार बांटे जाएंगे
> पहले बस स्टेशन के लिए 1 करोड़ रुपये

मुंबई. स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की जयंती के अवसर पर, शिव सेना पार्टी की द्वारा अगले वर्ष के लिए 23 जनवरी से एसटी राज्य के सभी बस स्टेशनों पर "हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे स्वच्छ, सुंदर बसस्थानक अभियान" लागू किया जाएगा। नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे. इस अभियान के तहत 3 करोड़ रुपये के पुरस्कार बांटे जाएंगे और राज्य में 'ए' श्रेणी के पहले बस स्टेशन के लिए 1 करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की जा रही है.

यह घोषणा राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने की है. इस अभियान की शुरुआत कल मंत्री सरनाईक कुर्ला नेहरूनगर बस स्टेशन पर करेंगे. इस अवसर पर राज्य भर के प्रत्येक बस स्टेशन पर स्कूली छात्रों, सामाजिक संगठनों और एसटी कर्मचारियों के सहयोग से गहन सफाई अभियान चलाया जाएगा. पिछले साल इस अभियान की शुरुआत करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस अभियान की अवधारणा को विस्तार से बताते हुए कहा था कि आम यात्रियों को स्वच्छ और सुंदर बस स्टैंड के साथ-साथ निर्जंतूक, टापटीप शौचालय स्थायी रूप से उपलब्ध कराना है। निगम का पहला कर्तव्य है. इसी अहसास से यह अभियान शुरू किया जा रहा है। यह समझाया गया. साथ ही, "हमारा गाँव, हमारा बस स्टैंड" की अवधारणा पर आधारित जन-भागीदारी के माध्यम से बस स्टेशनों का व्यापक विकास इस अभियान का मुख्य "मूल" होगा.

लोकल प्रशासन पर भड़के डिप्टी सीएम अजित पवार?

जालना. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जालना में साफ-सफाई की कमी को लेकर स्थानीय प्रशासन की आलोचना करते हुए अधिकारियों की खिंचाई की है। डिप्टी सीएम पवार ने सोमवार को एक निजी अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में शहर की अव्यवस्था पर अपनी नाराजगी व्यक्त की तथा कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। अजित पवार ने सवालिया लहजे में कहा, 'शहर की हालत देखकर मैं दंग हूं। जनप्रतिनिधि इस गंदगी पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं? आप क्या कर रहे हैं? क्या आपको यह दिखाई नहीं देता? ' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 100 दिनों का स्वच्छता अभियान चलाया है लेकिन जालना में उसका असर नजर नहीं आ रहा है। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में सालाना सात लाख करोड़ रुपये का राजस्व आता है जिसमें से 3.5 लाख करोड़ रुपये सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन पर खर्च हो जाते हैं।

डिप्टी सीएम अजित पवार ने पूछा, 'इन अधिकारियों को सफाई बनाए रखने के लिए जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया जा रहा है?' उन्होंने विधायक अर्जुन खोतकर के घर पर जाने का भी जिक्र किया और कहा कि आसपास का इलाका साफ था।

उन्होंने सवाल किया, 'अगर उनके आवास साफ हो सकते हैं, तो शहर के बाकी हिस्सों को साफ रखने की जिम्मेदारी किसकी है?' अजित पवार ने कहा कि उन्होंने जिला समान्य आणि रुग्णालय में साफ-सफाई की कमी को लेकर जिलाधिकारी की खिंचाई की। जिले के अधिकारियों के खिलाफ अजित पवार के इस तरह एक्शन को लेकर स्थानीय लोग काफी खुश हैं।

आज का राशिफल

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए कल दिन लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा. आपका कोई पुराना मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है.

वृषभ- राशि के जातकों के लिए दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है.

मिथुन- राशि के जातकों के लिए दिन किसी नए काम को करने के लिए अच्छा रहेगा. आप अपने पिताजी से कामों को लेकर सलाह ले सकते हैं.

कर्क- राशि के जातकों के लिए दिन सोच समझ कर कामों को करने के लिए रहेगा. आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना होगा.

सिंह- राशि के जातकों के लिए दिन कठिनाइयों भरा रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपके बॉस यदि आपको कोई काम सौंपे.

कन्या- राशि के जातकों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपके सहयोगी कामों में आपका पूरा साथ देंगे.

तुला- राशि के जातकों के लिए दिन सेहत के मामले में उतार चढ़ाव भरा रहने वाला है.

वृश्चिक- राशि के जातकों के लिए दिन खुशियों से सराबोर रहने वाला है. आप यदि नौकरी में बदलाव करने की योजना बना रहे थे, तो वह आप कर सकते हैं.

धनु- राशि के जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायी रहने वाला है .आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं.

मकर- राशि के जातकों को अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है. आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा.

कुंभ- राशि के जातकों के लिए दिन मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको अपने कामों में स्वच्छता से आगे बढ़ने की आवश्यकता है.

मीन- राशि के जातकों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है. आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे.

भारत में भी अवैध विदेशियों को नहीं रहने दें

मुंबई.

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि देश में अवैध रूप से रह रहे सभी लोगों को बाहर कर दिया जाना चाहिए. चाहे वो कोई बांग्लादेश का नागरिक हो या फिर किसी और देश का. उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है.

शिव सेना सांसद मिलिंद देवड़ा के बयान पर संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. संजय राउत ने कहा कि अमेरिका से भी 17 हजार भारतीयों को निर्वासित किया जा रहा है. वहां से हटाए गए सभी भारतीय अवैध नहीं हैं, लेकिन फिर भी उन्हें अमेरिका से हटाया जा रहा है. देश के लोगों को बाहर निकाला जा रहा है ऐसे में ये जिम्मेदारी देवेंद्र फणडनवीस और गृह मंत्रालय की है. उन्होंने कहा कि हम सहमत हैं कि देश में बांग्लादेशियों को नहीं रहने देना चाहिए, लेकिन ये लोग ये मुद्दा चुनाव के समय ही क्यों उठाते हैं? इनकी सरकार 10 साल से यहां पर है, इसके पहले इन्होंने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर केंद्र और राज्य दोनों ही सरकार मिलकर अवैध तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ मूवमेंट चलता है तो ये पूरे देश के लिए अच्छा होगा.

दूसरी पत्नी ने पति को मार डाला

नासिक.

महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक पत्नी ने अपने ही पति को मौत के घाट उतार डाला. शख्स ने दो शादियों की हुई थी, लेकिन वह अपनी पहली पत्नी को ज्यादा समय देता था और दूसरी के साथ कम रहता था. इसलिए दूसरी पत्नी ने अपने ही पति को मार डाला. ये मामला आडगांव-सैयद पिंपरी रोड से सामने आया है.

ये घटना शुक्रवार रात की है, जहां पिंपरी रोड की एक बस्ती में दूसरी पत्नी ने पहले अपने दो भाइयों के साथ मिलकर अपने पति की खूब पिटाई की. इसके बाद धारदार हथियार से वार कर पति की हत्या कर दी. दरअसल भावसार मूलचंद पवार उर्फ बाला खिलौने बेचने का काम करता था. उसने दो शादियां की हुई थीं, लेकिन वह अपनी पहली पत्नी को ज्यादा समय दे रहा था और उसके साथ ज्यादा समय तक रह रहा था. अपनी दूसरी पत्नी को कम टाइम देता था. इसी बात से नाराज होकर दूसरी पत्नी ने भावसार की हत्या कर दी.

पहली पत्नी ने किया केस

इस मामले में पत्नी सुनीता, उसके भाई राज शिंदे, आदित्य शिंदे के साथ दीपक और एक अन्य आरोपियों के नाम सामने आए हैं. भावसार मूलचंद पवार उर्फ बाला की दूसरी पत्नी सुनीता का पति काफी समय से अपनी पहली पत्नी के साथ रहता है. इसलिए उसने अपने दो भाइयों की मदद से पति की जमकर पिटाई की, जिसके बाद धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी. भावसार की पहली पत्नी निरमा पवार ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है.

दूसरी पत्नी करती थी झगड़ा

जानकारी के मुताबिक भावसार की दूसरी पत्नी सुनीता और भावसार के बीच सुबह से झगड़ा हो रहा है. निसंतान होने के कारण, वह अपनी पहली पत्नी के साथ ज्यादा समय बिताता था और दूसरी पत्नी इस बात को लेकर झगड़ा करती थी. इस लड़ाई में सुनीता के भाई भी उनका साथ दे रहे थे, लेकिन शाम को अचानक भावसार की चीख सुनाई दी. तभी भावसार की पहली पत्नी निरमा और उसका परिवार वहां पहुंच गया. तभी उसकी मौत हो गई. इस मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और पत्नी को हिरासत में ले लिया है.

महाराष्ट्र के सभी 'किले' कराए जाएंगे अतिक्रमणमुक्त

मुंबई.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा आदेश जारी किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया है कि सीएम फडणवीस ने पूरे राज्य में किलों पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक, सीएम फडणवीस ने राज्य भर में किलों से 31 मई तक अवैध अतिक्रमण को हटाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आगामी 31 जनवरी तक किलेवार अतिक्रमण की लिस्ट तैयार कर ली जाए। माना जा रहा है कि सरकार ने यह कदम कोल्हापुर जिले के विशालगढ़ किले पर अतिक्रमण के बाद उठाया है।

सीएम फडणवीस के निर्देश के मुताबिक, अतिक्रमण के खिलाफ व्यवस्थित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियां गठित करने का काम किया जाएगा। इसके बाद ये समितियां 31 मई 2025 तक चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण को हटाए जाने की निगरानी करेंगी। इसके अलावा भविष्य में अतिक्रमण को रोकने के लिए सरकार की ओर से सतर्कता समितियों का भी गठन किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र में 47 किले केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित किए गए हैं। वहीं, 62 किले ऐसे हैं जिन्हें राज्य द्वारा संरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीब 300 किले ऐसे हैं जो कि संरक्षण रहित हैं। अपने इस फैसले को लेकर सीएम फडणवीस ने कहा है कि इस निर्णायक कार्रवाई के लिए जनता की मांग बढ़ रही थी और सरकार ने इसके अनुसार ही यह कार्रवाई की है।

संस्कृति मंत्री ने दी जानकारी

इस पूरे मामले पर महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने भी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण को हटाने के लिए बनने वाली जिला स्तरीय समिति में पुलिस आयुक्त, नगर निगम प्रमुख, वन अधिकारी और पुरातत्व विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनका काम ये सुनिश्चित करना होगा कि अतिक्रमण करने वालों से अच्छी तरह से निपटा जाए और कानून-व्यवस्था बनी रहे। समितियों की हर महीने बैठक होगी और राज्य सरकार को नियमित रिपोर्ट देगी। आशीष शेलार ने कहा कि मौजूदा अतिक्रमण को हटाया जाएगा और ये भी सुनिश्चित किया जाएगा कि ये ऐतिहासिक धरोहरें आने वाली पीढ़ियों के लिए अच्छी तरह संरक्षित रहें।

रेत की गाड़ियां हमारे लोगों की हैं, उन पर ध्यान न दो

> विखे के बयान से नया विवाद!

सोलापुर.

सोलापुर के तत्कालीन संरक्षक मंत्री और पूर्व राजस्व मंत्री तथा वर्तमान जल संरक्षण मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने सोलापुर में दिए एक बयान से विवाद खड़ा हो गया है। रेत की गाड़ियाँ हमारे लोगों की हैं। विखे-पाटिल ने स्वीकार किया कि कलेक्टर को उन्हें नजरअंदाज करने के लिए कहा गया था. हालांकि इसके बाद विखे-पाटिल ने काम तमाम कर दिया लगता है.

हुआ यूं कि टेंभुर्णी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. मंच पर सूचना प्रौद्योगिकी और संस्कृति मंत्री आशीष शेलार, सोलापुर के संरक्षक मंत्री जयकुमार गोरे, कलेक्टर कुमार आशीर्वाद, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जंगम, पूर्व विधायक बबनराव शिंदे, पूर्व विधायक राम सातपुते आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, विखे-पाटिल ने कहा, 'यद्यपि यहां मंच पर कुमार आशीर्वाद हैं, मैंने उनसे पीछे से कहा, रेत की गाड़ियों पर ध्यान न दें। रेलगाड़ियाँ चलने दीजिए. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्या. सभी हमारे लोग हैं...' मंत्री विखे-पाटिल की बात स्वीकारते ही कलेक्टर कुमार आशीर्वाद मुस्कुरा दिए।

जैसे ही गोरे ने चेतावनी दी, विखे...

"वहां क्रशर गाडीयां हैं।" विखे-पाटील ने वर्तमान पालकमंत्री जयकुमार गोरे की ओर देखते हुए कहा, लेकिन जैसे ही गोरे ने चेतावनी दी, विखे रेत के बारे में बात करने से बच गये। कार्यक्रम के बाद जब पत्रकारों ने रेत के बयान के बारे में पूछा, तो विखे-पाटिल ने बताया की "हर बात को बहुत गंभीरता से न लें। आदमी हर बात मजाक में कहता है. हम रेत नीति पर बहुत सख्त हैं। अधिकारियों पर कार्रवाई भी हुई है. मैं हमेशा रेत खनन के खिलाफ रहा हूं।इस बीच, विखे-पाटिल शिंदे सरकार में राजस्व मंत्री थे। इसके साथ ही 2022-23 विखे-पाटिल 1 साल 1 महीने तक सोलापुर के पालक मंत्री रहे. क्या विखे-पाटील ने राजस्व मंत्री रहते हुए रेत माफी पर नरम रुख अपनाया था? क्या विखे-पाटील का रेत माफ़ी से कोई लेना-देना था? ऐसे सवाल अब उठ रहे हैं.

सुविचार

जब तक जीना, तब तक सीखना अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है.

हमास ने इजराइल को युध्द और शांति में हरा दिया

❒ तकरीबन 15 महीने के युद्ध तथा कई दौर की श्रमसाध्य वार्ता के बाद, हमास और इजराइल युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। इस युद्ध में हजारों लोग मारे गए और गाजा का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो गया। जैसे ही युद्धविराम की खबर बाहर आई, हजारों लोग रोजाना की बमबारी और गोलाबारी बंद होने की उम्मीद में गाजा की सड़कों पर निकल आए। अनिश्चितता अभी भी बनी हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों ने गाजा से इजराइल की आंशिक वापसी और पहले दिन रिहा किए जाने वाले बंधकों के नामों के विवरण को लेकर अपने आखिरी वक्त के मतभेदों को सुलझा लिया और रविवार को युद्धविराम लागू हो गया। यह युद्ध का स्थायी अंत नहीं है। लेकिन 7 अक्टूबर, 2023 के बाद से इजराइल और गाजा में जो हिंसा देखी गई, उसके मद्देनजर इस युद्ध में विराम भी एक बड़ी राहत है, खासकर गाजा के 2.3 मिलियन फिलिस्तीनियों के लिए। यह समझौता तीन चरणों में लागू होने की उम्मीद है। पहले चरण में हमास 33 बंधकों को रिहा करेगा, जबकि इजराइल करीब 1,000 फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों को रिहा करेगा।

दूसरे चरण में बंधकों व कैदियों की और ज्यादा अदला-बदली होगी तथा दोनों पक्षों को दुश्मनी की स्थायी समाप्ति की घोषणा करनी होगी। तीसरे चरण में 'आगे की राह' पर चर्चा होगी, जिसमें गाजा का प्रभारी कौन हो, यह भी शामिल होगा। फिलहाल, दोनों पक्षों का ध्यान पहले चरण पर केंद्रित है। परेशानी अगले चरण की बातचीत शुरू होने पर खड़ी हो सकती है। जब इजराइल ने यह युद्ध शुरू किया था, तो उसने अपने लिए दो मकसद निर्धारित किए थे - हमास का विनाश और बंधकों की रिहाई। कुल 15 महीनों के युद्ध में, इजराइल ने हमास के उग्रवादी बुनियादी ढांचे को कमजोर तो कर दिया है, लेकिन यह समूह बच गया है और खुद को एक बगावती के रूप में फिर से स्थापित किया है। निवर्तमान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के मुताबिक, हमास ने उतने लड़ाकों की भर्ती की, जितने उसने युद्ध के दौरान खोए थे। हमास को नष्ट करने या आक्रामक तरीके से बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने में इजराइल की असमर्थता गाजा में आईडीएफ की सैन्य रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

यह शायद उन कारकों में से एक हो सकता है जिसने बेंजामिन नेतन्याहू को युद्धविराम स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया। लेकिन उन्होंने युद्ध को समाप्त करने के प्रति कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। दूसरी तरफ, हमास गाजा से इजराइल की पूर्ण वापसी की मांग करता है। संभावित बाधाओं के बावजूद, युद्धविराम के लागू होने का तथ्य एक स्वागत-योग्यखबर है। यह गाजा के लिए बेहद ही जरूरी राहत और आगे की बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इजराइल एवं फिलिस्तीनियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों को अब युद्ध के बाद वाले परिदृश्य में खाई को पाटने की दिशा में काम करना चाहिए। इजराइल ऐसी किसी भी स्थिति को स्वीकार नहीं करेगा जो हमास को गाजा में एक वर्चस्वशाली ताकत के रूप में छोड़े। एक अपेक्षाकृत ज्यादा व्यावहारिक समाधान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त फिलिस्तीनी प्राधिकार की अगुवाई में सभी फिलिस्तीनी गुटों का एक संयुक्त प्रशासन का गठन और फिर गाजा के पुनर्निर्माण की ओर ध्यान केंद्रित करना है। लेकिन इस योजना के सफल होने और शांति स्थापित करने के लिए, इजराइल को गाजापट्टी से अपने सभी सैनिकों को वापस बुलाने के लिए तैयार होना चाहिए।

संपादकीय

भारत की तालिबान से उच्चस्तरीय बातचीत

❍ अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के साथ भारतीय विदेश सचिव की बुधवार को दुबई में हुई मुलाकात को सामान्य कूटनीतिक कवायद के रूप में नहीं लिया जा सकता। द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से ही नहीं इस पूरे क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों की दृष्टि से भी यह एक महत्वपूर्ण पहल है। भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। लेकिन काबुल में तालिबान की सत्ता में दूसरी पारी शुरू होने के बाद से यह पहला मौका है जब भारत ने विदेश सचिव स्तर पर उसके साथ औपचारिक बैठक की है। जो बात इस बैठक को खास बनाती है, वह है इसकी टाइमिंग। अभी जब ईरान, इस्राइल की ओर से अपने प्रॉक्सी पर हो रहे हमलों के चलते दबाव में है, रूस यूक्रेन युद्ध में फंसा है और अमेरिका में ट्रंप के सत्ता संभालने का इंतजार हो रहा है, भारत की यह पहल बहुत मायने रखती है। सबसे बड़ी बात यह कि अफगानिस्तान में तालिबान का मुख्य संरक्षक माने जाने वाले पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते खराब हो चुके हैं। अफगानिस्तान की सीमा के अंदर पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमले के बाद से दोनों देशों में तनातनी बहुत बढ़ गई है। भारत ने बैठक से पहले ही पाकिस्तान के बरक्स अफगानिस्तान का समर्थन करके अपना पक्ष बिल्कुल स्पष्ट कर दिया था। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया था कि पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं के लिए पड़ोसियों को दोषी ठहराने की आदत हो गई है। अफगानिस्तान की जहां तक बात है तो भारत की मुख्य चिंता सुरक्षा को लेकर है। ऐसे में तालिबान का यह वादा महत्वपूर्ण है कि वे अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे। भारत का शरणार्थियों के पुनर्वास में मदद देने का आश्वासन इस मायने में भी अहम है कि पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को वापस भेजना शुरू कर दिया है। ऐसे ही अफगानिस्तान की विकास परियोजनाओं पर दोबारा काम शुरू करने, स्पोर्ट्स खासकर क्रिकेट को प्रोत्साहित करने और चाबहार पोर्ट के व्यापारिक गतिविधियों में इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर हुई सहमति भी रिश्तों के बेहतर भविष्य का संकेत करती है।

व्यंग्य

पतरस बुख़ारी

अब और तब

❍ जब रोग बहुत पुराना हो जाए और स्वास्थ्य प्राप्त करने की कोई उम्मीद बाक़ी न रहे तो ज़िंदगी की सारी खुशियाँ सीमित होकर बस यहीं तक रह जाती हैं कि चारपाई के सिरहाने मेज़ पर जो अंगूर का गुच्छा रखा है उसके चंद दाने खा लिए, महीने-दो-महीने के बाद कोठे पर स्नान कर लिया या कभी-कभी नाख़ुन तरशवा लिए। मुझे कॉलेज का रोग लगे हुए अब कई वर्ष हो चुके हैं। जवानी का रंगीन ज़माना परीक्षाओं में उत्तर लिखते-लिखते गुज़र गया। और अब जीवन के जो दो-चार दिन बाक़ी हैं वो प्रश्न बनाते-बनाते बीत जाऐंगे। एम.ए. की परीक्षा मानो रोग का संकटकाल था। विश्वास था कि इसके बाद या रोग न रहेगा या हम न रहेंगे। सो रोग तो बदस्तूर बाक़ी है और हम.. .हर-चंद कहें कि हैं, नहीं हैं। छात्र-जीवन का ज़माना बेफ़िक्री का ज़माना था। नर्म-नर्म गदेलों पर गुज़रा, मानो ऐश के बिस्तर पर लेटा था। अब तो शय्या-ग्रस्त हूँ। अब ऐश सिर्फ़ इस क़दर नसीब है कि अंगूर खा लिया। स्नान कर लिया। नाख़ुन तरशवा लिए। सारी दौड़-धूप लाइब्रेरी के एक कमरे और स्टाफ़ के एक डरबे तक सीमित है और दोनों के ठीक बीच का हर मोड़ एक कमीनगाह मालूम होता है। कभी रावी से बहुत दिलचस्पी थी। रोज़ाना तड़के सुबह, उसका पाठ किया करता था। अब उसके संपादक साहब से मिलते हुए डरता हूँ कि कहीं-न-कहीं स्वार्थपूर्ण सलाम खींच मारेंगे। हाल में से गुज़रना क़यामत है। वहम का यह हाल है कि हर खंभे के पीछे एक संपादक छिपा हुआ मालूम होता है। कॉलेज के जलसों में अपनी बदज़बानी से बहुत हंगामे किए। जलसे का अध्यक्ष बनने से हमेशा घबराया करता हूँ कि यह 'कुत्ते के मुँह में रोटी का टुकड़ा डाल देना बेहतर है ' वाला मामला है। अब जब कभी जलसे का सुन पाता हूँ एक ठंडी सी दुर्बलता शरीर पर छा जाती है। जानता हूँ कि अध्यक्ष की कुर्सी की सूली पर चढ़ना होगा और सूली भी ऐसी कि अनल-हक़ का नारा नहीं लगा सकता। माननीय क़ाज़ी साहब ने अगले दिन कॉलेज में एक मुशायरा किया। मुझसे बदगुमानी इतनी कि मुझे अपने ठीक सामने एक नुमायाँ और बुलंद मुक़ाम पर बिठा दिया और मेरी हर हरकत पर निगाह रखी। मेरे इर्द-गिर्द महफ़िल गर्म थी और मैं इसमें कंचनचंगा की तरह अपने शिखर पर जमा बैठा था। जिस दिन कॉलेज में छुट्टी हुआ करती मुझ पर उदासी सी छा जाती। जानता कि आज के दिन लुंगीधारी, तौलिया-वाहक, साबुन-वादी हस्तियाँ दिन के बारह एक बजे तक नज़र आती रहेंगी। दिन-भर लोग गन्ने चूस-चूसकर जगह-जगह पर खोई के ढेर लगा देंगे, जो धीरे-धीरे पुरातात्विक अवशेषों का सा मटियाला रंग धारण करलेंगे। जहाँ किसी को एक कुर्सी और स्टूल उपलब्ध हो गया वहीं खाना मँगवा लेगा और खाना खा चुकने पर कव्वों और चीलों की एक बस्ती आबाद करता जाएगा ताकि दुनिया में नाम बरक़रार रहे। अब यह हाल है कि महीनों से छुट्टी की ताक में रहता हूँ। जानता हूँ कि अगर इस छुट्टी के दिन बाल न कटवाए तो फिर बात गर्मी-की छुट्टियों पर जा पड़ेगी। मिर्ज़ा साहब से अपनी किताब वापस न लाया तो वे निसंकोच हज़म कर जाएँगे। मछली के शिकार को न गया तो फिर उम्र भर ज़िंदा मछली देखनी नसीब न होगी। अब तो दिलचस्पी के लिए सिर्फ़ ये बातें रह गई हैं कि फ़ोर्थ ईयर की हाज़िरी लगाने लगता हूँ तो सोचता हूँ कि इस दरवाज़े के पास जो नौजवान काली टोपी पहने बैठे हैं, और उस दरवाज़े के पास जो नौजवान सफ़ेद पगड़ी पहने बैठे हैं, हाज़िरी ख़त्म होने तक ये दोनों जादू के चमत्कार से लुप्त हो जाएँगे और फिर उनमें से एक साहब तो हॉल में प्रकट होंगे और दूसरे भगत की दुकान में दूध पीते दिखाई देंगे।

बालकथा

डॉ. मंजरी शुक्ला

दादाजी का लॉकडाउन

❍ शानू बहुत दिनों से देख रहा था कि दादाजी अनमने से इधर से उधर छत पर टहलते रहते हैI वह जब भी उनसे पूछने का सोचता तो उसे कोई दूसरी बात याद आ जाती और वह दादाजी से पूछना भूल जाता एक दिन शाम को उसने दादाजी से कहा-"बहुत दिन हो गए आपने मुझे कोई कहानी नहीं सुनाई."

दादाजी पुराने अख़बार को पढ़ते हुए बोले-"मेरा मन नहीं है अभी कोई कहानी सुनाने का" शानू ये सुनकर आश्चर्यचकित रह गया आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ था कि दादाजी ने उसे कहानी सुनाने का मना किया हो. सिर्फ़ एक दादाजी ही तो थे जिन्होंने पंचतंत्र से लेकर हितोपदेश तक की ढेर सारी कहानियाँ उसे बातों ही बातों में याद करवा डाली थी. उसने मम्मी से जाकर पूछा-"दादाजी का मूड क्यों खराब है?" "मुझे लगता है कि वह आजकल पार्क में सैर करने नहीं जा पाते है और फ़िर उनका न्यूज़ पेपर भी आना भी तो बंद हो गया है, इसलिए वह आजकल परेशान रहते है." ओह! तभी दादाजी आजकल पुराने न्यूज़ पेपर पढ़ते रहते है." शानू ने सोचा वह तुरंत दादाजी के पास गया और बोला-"दादाजी, मैं और आप आज से मम्मी के कामों में मदद करेंगे." दादाजी ये सुनकर मुस्कुरा दिए और कुर्सी से उठते हुए बोले-"अरे वाह, ये तो मैंने सोचा ही नहीं था." दो मिनट बाद मैं और दादाजी किचन में मम्मी सामने खड़े थे. मम्मी आलू छील रही थी. मैंने दादाजी की तरफ़ देखा. उन्होंने मुझे मुझे कहने का इशारा किया और मैं तुरंत बोला-""दादाजी आलू छीलना चाहते है." मम्मी का हाथ चाकू पर रूक गए और उन्होंने पलट कर हम दोनों को बारी बारी से देखा. अचानक ही वह खिलखिलाकर हँस पड़ी और आलू की प्लेट लेकर किचन से भाग गईं. दादाजी का चेहरा उतर गया और वह बोले-"जाता हूँ में वापस अपनी कुर्सी पर आराम करने." मैंने उनका हाथ पकड़ा और फुसफुसाते हुए बोला-"अभी पापा बाकी है."

दादाजी के चेहरे पर फ़िर से मुस्कान आ गईI हम लोग तेज क़दमों से चलते हुए पापा के कमरे में जा पहुंचे. वैसे तो दादाजी को पापा के कमरें में जाना बिलकुल पसंद नहीं था क्योंकि पापा का कमरा पहली मंज़िल पर थाI पर इस समय दादाजी की चुस्ती फुर्ती देखते ही बनती थी. वे सीढ़ी चढ़ने में मुझसे भी आगे निकल गए. हम जब पापा के कमरे में पहुँचे तो पापा अपने लेपटॉप पर कुछ काम कर रहे थे. मैं कुछ कहता इससे पहले ही पापा बोले-"अभी दो मिनट बाद ही मेरी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग शुरू होने वाली है. तीन घंटे तक मैं कोई भी बात नहीं कर सकता." दादाजी ने मुझे देखा और कुछ पल बाद ही मैं और दादाजी दोनों कमरे से बाहर थे. दादाजी बोले-"मैं जा रहा हूँ अपनी कुर्सी पर ..."मैं कुछ बोलता इससे पहले ही दादाजी सीढिया उतारते हुए चले गए. मैं सच मैं दादाजी की मदद करना चाहता था इसलिए मैंने अपने दिमाग के घोड़े तेजी से दौड़ने शुरू कर दिए. तभी मेरे दोस्त मोनी का फोन आयाI उससे बात करते ही मेरा मन करा कि मैं ख़ुशी से नाचने लगूँ. मैं तुरंत दौड़ता हुआ दादाजी के पास गया और बोला-"दादाजी, मुझे आपको एक बात बतानी है." दादाजी खुश होते हुए बोले-"क्या मम्मी मुझसे आलू छिलवाने को तैयार हो गई." "मैंने हँसते हुए कहा-"अरे, आलू वालू भूल जाओ आपI कल सुबह नौ बजे आप बिलकुल तैयार रहना. मेरे दोस्तों से मिलवाना है आपको?" "पर अभी तो लॉकडाउन चल रहा है. भला, तेरे दोस्त कैसे आएँगे अपने घर?" दादाजी ने आश्चर्य से पूछा "यही तो सरप्राइज़ है." शानू ने हँसते हुए कहा और वहाँ से भाग गया इस बिल्डिंग में तो तीन चार साल के बच्चे ही है. शानू ने लगता है इतने छोटे बच्चों को अपना दोस्त बना लिया है. कल उन्हीं को बुलाया होगा." दादाजी ने मुस्कुराते हुए सोचा दूसरे दिन दादाजी सुबह साढ़े आठ से ही तैयार होकर बैठ गए थेI शानू बोला-"दादाजी, आप तो बहुत खुश नज़र आ रहे हो." दादाजी हंस दिए और बोले-"तुमने अपने दोस्तों को बता तो दिया है ना कि वे मास्क पहनकर आये." "हाँ, सब बता दिया है." कहते हुए शानू नाश्ता करने लगा नौ बजने में पाँच मिनट बाकी थे कि शानू पापा का लेपटॉप खोलकर बैठ गयाI दादाजी उदास स्वर में बोले-"क्या बच्चे नहीं आ रहे है?" "सब आ गए" शानू हँसते हुए बोला "कहाँ?" दादाजी ने इधर उधर देखते हुए पूछा "यहाँ..." कहते हुए सोनू ने हँसते हुए लैपटॉप कि स्क्रीन दादाजी की तरफ़ कर दी दादाजी उठकर लेपटॉप के पास आ गए वे आश्चर्य से सोनू को देख रहे थे कि तभी सोनू बोला-"जब मेरे दोस्तों ने बताया कि वे गणित के सर के घर नहीं जा प् रहे है और सर भी किसी कारण से ऑनलाइन क्लासेस नहीं ले पा रहे है तो पापा ने मुझे बताया कि आप तो कॉलेज में गणित के प्रोफेसर थे और मेरे दोस्तों को चुटकियों में गणित पढ़ा देंगे और इसलिए अब मेरे सभी दोस्त रोज़ सुबह ९ से ग्यारह आपसे गणित पढ़ेंगे."

ग्लास स्क्विड

ग्लास स्क्विड (परिवार क्रैंचीडे) गोधूलि, या मेसोपेलाजिक, क्षेत्र के असीम जल में रहते हैं। कोई सुरक्षात्मक कवच और आश्रय के लिए कोई जगह न होने के कारण, उन्हें रचनात्मक होने की आवश्यकता है। पारदर्शिता एक ऐसा तरीका है जिससे घर में पनपा जा सकता है जहाँ छिपने के लिए बहुत कम जगह होती है। अन्य सेफेलोपोड्स की तरह, ग्लास स्क्विड भी क्रोमैटोफोर नामक छोटे पिगमेंट थैलियों से ढके होते हैं। वे अक्सर अपने क्रोमैटोफोर को बंद रखते हैं ताकि उनकी त्वचा मूल रूप से पारदर्शी रहे। यह अदृश्यता का आवरण उन्हें शिकारियों और शिकार दोनों से छुपाता है। ग्लास स्क्विड में एक बड़ी आंतरिक गुहा होती है जिसे वे अमोनियम से भरते हैं, एक रसायन जो समुद्री जल से हल्का होता है। अधिक उछाल वाले शरीर का निर्माण करने का मतलब है कि स्क्विड को तैरने के लिए उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती। वे अपने पंखों के साथ धीरे-धीरे पानी के बीच में चलते हैं, लगातार खतरे या स्वादिष्ट भोजन की तलाश में रहते हैं। फोटोफोर नामक विशेष प्रकाश अंग उनके अपारदर्शी शरीर के अंगों, जैसे कि उनकी आंखों की छाया को छिपाते हैं। ये अंग ऊपर से आने वाली मंद सूर्य की रोशनी के समान तीव्रता से चमकते हैं ताकि नीचे से शिकार करने वाले शिकारियों से स्क्विड की छवि को छिपाया जा सके। जब ग्लास स्क्विड का आवरण उड़ जाता है, तो वे अपने क्रोमैटोफोर को फैलाकर अपना रूप काला कर लेते हैं। कुछ लोग संभवतः अंधेरे में घुलने-मिलने के लिए अपने शरीर की गुहा को स्याही से भर लेते हैं। और जब खतरा अभी भी मंडराता रहता है, तो ग्लास स्क्विड पानी में स्याही छिड़क सकता है और दूर निकल सकता है। स्याही का एक भूतिया आवरण ध्यान भटकाता है ताकि स्क्विड भाग सके। दुनिया भर में गहरे पानी में 60 से ज़्यादा ग्लास स्क्विड की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। कुछ 10 सेंटीमीटर (चार इंच) से थोड़े ज़्यादा लंबे होते हैं, लेकिन कुछ विशालकाय होते हैं। वास्तव में, सभी स्क्विड में सबसे बड़ा- कोलोसल स्क्विड (मेसोनीचोटेथिस हैमिल्टन), लगभग

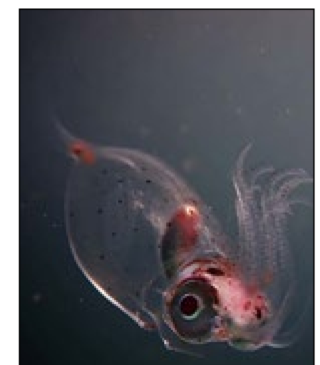

10 मीटर (33 फ़ीट) लंबा और 495 किलोग्राम (1,091 पाउंड) तक वजन वाला- क्रैनचिडे परिवार से संबंधित है। हम आम तौर पर लगभग 30 सेंटीमीटर (12 इंच) लंबे छोटे ग्लास स्क्विड देखते हैं, संभवतः इसलिए क्योंकि बड़े वाले तेज़ तैराक होते हैं जो हमारी धीमी गति से चलने वाली पनडुब्बियों से आसानी से बच सकते हैं। गहरे समुद्र के ज़्यादातर आवासों में प्राकृतिक रूप से निलंबित तलछट की बहुत कम सांद्रता होती है, यहाँ तक कि समुद्र तल के पास भी। ग्लास स्क्विड और अन्य मध्य जल के जानवरों की आँखें बहुत बड़ी और तेज़ दृष्टि होती हैं। कई जीवित प्रकाश या बायोल्यूमिनेसेंस के ज़रिए संचार करते हैं। यह पता लगाना कि गहरे समुद्र के जानवर अपने आस-पास के वातावरण को कैसे महसूस करते हैं, हमें यह अनुमान लगाने में मदद करेगा कि खनन उनके दैनिक जीवन को कितना कठिन बना देगा। हमें तत्काल यह पहचानने की ज़रूरत है कि गहरे समुद्र में खनन का समुद्र के मध्य जल से लेकर समुद्र तल तक सभी आवासों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

आलेख

सुशील शर्मा

प्रकृति के सौंदर्य का मानव मस्तिष्क पर प्रभाव

❍ आधुनिक काल में मनुष्य की जिंदगी में भाग-म-भाग बढ़ने व अधिक काम के बोझ के तले और व्यर्थ की बातों को दिमाग में सदैव रखने से वह मनोवैज्ञानिक रूप से तनाव ग्रस्त जीवनयापन कर रहा है. हम ऐसे समाज में रहते हैं जहां लोग घर के भीतर और ऑनलाइन समय अधिक से अधिक बिताते हैं -विशेष रूप से बच्चों पर इसका विशेष प्रभाव होता है। स्वस्थ, खुश और अधिक रचनात्मक जीवन का नेतृत्व करने के लिए प्रकृति में अधिक समय बिताने बहुत जरुरी है। प्रकृति हमेशा हमारी भलाई का सोचती है,परिणाम दिखाते हैं कि जो लोग जंगलों में अपना समय बिताते हैं , उनमें हृदय की निम्नतम और उच्चतर गति में परिवर्तन काफी कम था और शहरी जीवन में चलने वाले लोगों की तुलना में उनमें बेहतर मूड और कम चिंता पायी गई। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि प्रकृति में कुछ ऐसा है जो तनाव में कमी,बेहतर खुशी और सुखमय जीवन के लिए प्रेरित करता है। स्ट्रेयर की अवधारणा यह है कि प्रकृति के सान्निध्य में मस्तिष्क के कमांड सेंटर को आदेशित कर आराम करने की अनुमति प्रदान करताहै, जिससे ज्यादा काम करने वाली पेशियों को आराम मिलता है और ईईजी प्रदर्शित करता है की "मिडलाइन फॉर्टल थीटा तरंगों" से आने वाली ऊर्जा का कम क्षरण हो रहा है जो वैचारिक सोच और निरंतर ध्यान के लिए एक आवश्यक ऊर्जा केंद्र है।

मोटापा, अवसाद, आत्मबल की क्षीणता ये सारी बीमारियां अधिकांशतः उन्हें ही होती हैं जो प्रकृति से दूर होते हैं। वैज्ञानिकों का मत है कि एक समय जो चीजें हमें देवीय और रहस्मयी लगती थीं जैसे हृदय की धड़कने ,हार्मोन के परिवर्तन, मस्तिष्क की तरंगें ये सभी प्रकृति से प्रेरित हैं और इन सब सवालों के उत्तर प्रकृति में छुपे हुए हैं। 2009 में डच के शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक सर्वे किया जिसमें उन्होंने सिद्ध किया कि ग्रीन बेल्ट से आधा मील की दूरी पर रहने वाले लोगों में अवसाद, चिंता, हृदय रोग, मधुमेह, अस्थमा और माइग्रेन कुल 15 रोगों की घटनाएं शहर में रहनेवाले लोगों से कम पाई गईं। और 2015 में एक अंतरराष्ट्रीय टीम 31,000 से अधिक टोरंटो निवासियों से स्वास्थ्य प्रश्नावली कर उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि प्रकृति के सान्निध्य में रहने वाले का हृदय और मेटाबोलिक क्रियाएं शहर के कांक्रीट में रहने वाले लोगों की अपेक्षा ज्यादा सुचारु और अधिक ऊर्जा स्तर से काम करते हैं। ऐसे लोगों में ग्रीन स्पेस में रहने के कारण कम मृत्यु दर और हार्मोन में कम तनाव रहता है जिससे व्यक्ति खुश और प्रसन्न दिखता है। प्रकृति में थकान को कम करने की क्षमता के कारण हमारे अंदर रचनात्मकता बढ़ जाती है। आज, हम लगातार हमारे ध्यान खींचने वाली सर्वव्यापी तकनीक के साथ रहते हैं। लेकिन कई वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारा मस्तिष्क इस तरह की जानकारी के लिए नहीं बना है जिसमें हर समय सूचनाओं की बमबारी होती रहे इससे हमारे अंदर मानसिक थकान, अवसाद और न जाने कौन कौन सी बीमारियां घर कर जाती हैं और हमें मृत्यु की ओर धकेल देती हैं। ऐसे में सामान्य, स्वस्थ स्थिति में वापस आने के लिए "ध्यान की बहाली" आवश्यक होती है जो सिर्फ प्रकृति के सान्निध्य से ही प्राप्त हो सकती है। प्रकृति हमें दयालु और उदार बनाती है।

जब कभी भी मैं प्रकृति के सान्निध्य से लौटता हूँ तो अपने परिवार के प्रति खुद को ज्यादा समर्पित पाता हूँ। अनेक विद्वानों ने शोधों में यह पाया है कि प्रकृति के सान्निध्य में सकारात्मक ऊर्जा हमारे अंदर प्रवाहित होने लगती है जिससे हमारे व्यवहार में उदारता ,विश्वास और दूसरों की सहायता के भाव प्रवाहित होने लगते हैं। अपने खोजों के दौरान वैज्ञानिकों और मानवशास्त्रियों ने यह सिद्ध किया है कि जो व्यक्ति सुन्दर प्राकृतिक दृश्यों के समीप रहते हैं वो हमेशा सकारात्मक भावों से भरे होते हैं। प्रकृति का प्रभाव इतना अधिक होता है कि वर्ष में परिवर्तित होने वाले मौसम में भी मनुष्य के मन-मस्तिष्क को प्रभावित एवं परिवर्तित करते हैं।

ईश्वर बड़ा विलक्षण है

❍ भला यह संसार बनाने का क्या काम था? व्यर्थ इतने उल्लू एक संग पिंजड़े में बन्द कर दिए. किसी को दुःखी बनाया किसी को सुखी, किसी को राजा बनाया किसी को फकीर. इसी से मैं कहता हूँ कि ईश्वर बड़ा विलक्षण है. सब उसमें लय रहता है, किसी के कुछ दुःख-सुख का अनुभव नहीं होता है, वह केवल परम आनंदमय अपने में रहता है, इसी से कोई इसको हाँ कहता है कोई नहीं, कोई मिला कोई अलग, कोई एक कोई अनेक तो उसको अपने माहात्म्य की दुर्दशा क्यों करानी थी, इसी से अनेक प्रकार के जीव, विचित्र स्वभाव, अलग अलग धर्म और रूचि, विचित्र रंग काम-क्रोध-मद, ईर्ष्या, अभिमान, दम्भ, पैशुन्य, आमृत्य इत्यादि अनेक प्रकार के स्वभाव बनाकर लम्बा-चौड़ा गोरखधंधों का जाल फैलाकर इस घनचक्कर में सब को घुमा दिया है. एक बिचारा सुख से अपना काल क्षेप करता है. कुछ उसके काम में विध्न डालकर व्यर्थ बिना बात बैठे-बिठाए उसको रुला दिया. कोई दुःख में है उसको एक संग सुख दे दिया, इसी से. सच है मनुष्य यह कैसे सोचे यह हम बैठे हैं, खाते-पीते हैं, चैन करते हैं कभी सोचते नहीं कि हमारी दशांतर भी होगी. हम कैसे मरेंगे कदापि नहीं आता. इसी से मजा है, तमाशा है, खेल है, धूम है, दिल्लगी है, मसखरापन है, लुच्चापन है, हंसी है, मूर्खता है, खिलौने हैं, बालक हैं, पट्ठे हैं, नासमझ हैं, जड़ हैं, जीव हैं. मोहित हैं, उल्लू के पट्ठे हैं, सब हैं परंतु उसके समझ में और उसके लोगों की समझ में भेद हैं. इसी से उसके नाते परस्पर सब केवल सगे भाई बहन हैं. पर लोग जाति-कुजाति- वर्ण- आश्रम, नीच- ऊंच, राजा-प्रजा, स्त्री-पुत्र इत्यादि अनेक भेद समझते हैं. इसी से यह उसी का विलक्षणपन है कि हिंदुओं को सब के पहिले उसने लक्ष्मी और सरस्वती दी और चिरकाल तक उनको इस देश में स्थित किया. परंतु अब वह हिंदू दासधर्म शिक्षित हो रहे हैं. इसी से यह उसी का विलक्षणपन है कि जिस भूमि में उदयन, शूद्रक, विक्रम, भोज ऐसे राजा कालिदास, वाण से पंडित दिए, उसी भूमि में हमारे-तुम्हारे से लोग हैं.

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

❒ आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर

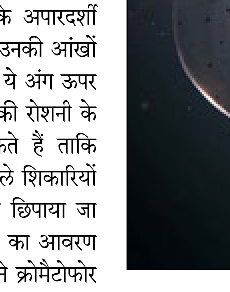

अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलाम्रुत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

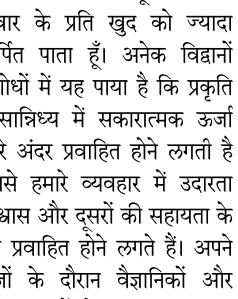

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

नेत्रदान करना महा पुण्य का काम है: आचार्य योगेंद्र शास्त्री

चंद्रपुर. बंगाली कैंप स्थानीय दुर्गा माता मंदिर में सोनम बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष निताई घोष तथा उनके टीम के द्वारा सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया था. हजारों की संख्या में भक्तों ने इसका लाभ उठाया. श्री दुर्गा काली माता मंदीर कमेटी ने इस कार्य में हर संभव मदद किया. वृंदावन से आए हुए भागवताचार्य योगेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने अपने मधुर वाणी में गीत संगीत के साथ श्रोताओ को सात दिनों तक निरंतर वृंदावन धाम में होने का एहसास कराया. सभी श्रोताओं ने भाव विभोर होकर उनके इस कीर्तन रूपी भागवत कथा का रसास्वादन किया. दुर्गा मंदिर प्रांगन मानो वृन्दावन बन गया. कथा के अंतिम दिन पाप पुण्य का प्राणी मात्रा में क्या असर होता है वह जानकारी देते समय नेत्रदान के ऊपर उन्होंने मार्गदर्शन किया नेत्रदान करने से प्राणियों के पाप धुल जाते हैं, तथा उसका जन्म सुधार जाता है. नेत्रदान करने से अगले जन्म में कोई अंधा पैदा होगा यह मिथ्या अपवाद है. जो लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है. योगेंद्र शास्त्री जी ने ऑय ट्रांसप्लांट मल्टीपरपज सोसायटी के अध्यक्ष डॉ स्वपन कुमार दास का विशेष रूप से उल्लेख किया. शास्त्री जी ने सभी को आव्हान किया कि नेत्रदान दाता डॉ दास से मिलकर इस कार्य को आगे बढ़ाये तथा नेत्रदान के लिए सहमति दे. तालिया के गड़गड़ाहट के साथ में सभी श्रोताओं ने डॉ दास का स्वागत किया. अंतिम सातवें दिन में महाप्रसाद तथा आठवें दिन यज्ञ के साथ कथा की समाप्ति हुई.

जगन्नाथ बाबा मठ में महाप्रसाद के दिन सुंदर भजनों का कार्यक्रम

चंद्रपुर. श्री गुरुदेव सेवा भजन मंडल , स्वावलंबी नगर , नगीनाबाग की ओर से श्री जगन्नाथ महाराज मठ , दाताला मार्ग , चंद्रपुर में घुघरी काला (महाप्रसाद) के अवसर पर । 16 जनवरी 2025 को भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

इस भजन कार्य में जगन्नाथ महाराज के भक्त , सेवक एवं क्षेत्र के नागरिक उपस्थित थे । भजन मंडल के सदस्य रमेश मोरे , गजानन ज़ादे , सुनील चावले , रघुवीर ज़ाड़े , भागवत शेंडे , राजू टोंगे , नंदाबाई नक्शिन , तबला वादक भास्कर निंबालकर , हारमोनियम वादक विशाल लोनबोले , बेबीताई वाटेकर , प्रभाकर पुंड , वंदना मोरे , सविता ज़ादे , प्रतिभा चावले , मंगला पेड़ , प्रमिला शीर्ष , इंदिरा गुरले , रूपाली टोंगे , विलास मकोड़े , काजल झाडे , सुनीता मुर्स्कर और अन्य ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के भजन गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस मौके पर जगन्नाथ बाबा मठ के निदेशक ने इस भजन मंडल के कार्यों की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं .

नगर निगम की 245 नल धारकों पर कड़ी कार्रवाई

> 107 वाटर मीटर जब्त किये.

चंद्रपुर.

चंद्रपुर नगर निगम ने पानी के मीटर निकालकर पानी का उपयोग करने वाले 245 नल धारकों के खिलाफ कार्रवाई की है और 107 पानी के मीटर जब्त कर लिए हैं, साथ ही मीटर हटाकर पानी का उपयोग करने वाले 2407 नल धारकों के खिलाफ कार्रवाई की गई, मीटर नहीं जोड़ने पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

आयुक्त विपिन पालीवाल की अध्यक्षता में शहर में नल कनेक्शन योजना की समीक्षा की गयी. शहर के सभी नल कनेक्शनों पर जल मीटर लगा दिये गये हैं और इनका उपयोग जनवरी माह से ही किया जा रहा है। हालाँकि, घर पर पानी मिलने के बावजूद, बड़ी मात्रा में बकाया बन रहा है, क्योंकि कई नागरिक अपने पानी के बिलों का भुगतान करने में लापरवाही कर रहे हैं। जलदाय विभाग ने बताया कि इससे ईमानदारी से टैक्स भरने वाले नागरिकों को परेशानी हो रही है

पानी की खपत से बचने के लिए कुछ नल उपभोक्ता पाइप लाइन पर लगे वॉटर मीटर को हटाकर पानी भर रहे हैं। अतः नागरिकों का भुगतान प्रायः शून्य रूपये आता है चूँकि यह मामला अवैध है अतः इस प्रकार की स्थिति को रोकने के लिए वाल्वमैन के माध्यम से नल धारकों को जल प्रदाय कार्यालय से स्वयं अथवा दूरभाष पर सम्पर्क करने के निर्देश भी दिये गये। लेकिन अभी भी कुछ नलधारकों पर नल नहीं जोड़ने पर जुर्माना लगाया जा रहा है।

इस अवसर पर आयुक्त ने निर्देशों का पालन नहीं करने वाले नल धारकों का नल कनेक्शन काटने तथा बड़े अपार्टमेंट के निवासियों का व्यक्तिगत कनेक्शन बंद कर सोसायटी के पक्ष में एकल कनेक्शन देने का निर्देश दिया. नल काटने के लिए नगर निगम के माध्यम से 6 टीमों का गठन किया गया है. नगर निगम की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि जिन उपभोक्ताओं के नल काट दिये गये हैं, वे पुनः कनेक्शन के लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करने के लिए नगर निगम जल आपूर्ति विभाग या पानी टंकी कार्यालय से संपर्क करें.

सिंदेवाही शहर में बैंकों के एटीएम की सुरक्षा रामभरोसे

> राष्ट्रीयकृत बैंक में सुरक्षा गार्ड ही नही

कोरपना, मनोज गोरे

नागरिको को पैसे निकालने की सुविधा देने वाली एटीएम सिंदेवाही तहसील में रामभरोसे दिखाई दे रही है. निजी बँक के एटीएम मे सुरक्षा रक्षक है, लेकिन राष्ट्रीयकृत बँक के एटीएम मे सुरक्षा नही होने की बात सामने आई है. जिससे लाखो रुपये का व्यवहार करने वाले एटीएम की सुरक्षा के संदर्भ मे बँक इतने लापरवाह कैसे रह सकते ? ऐसा सवाल उठ रहा है. सिंदेवाही तहसील मे कुल 6 एटीएम है. एक भारतीय स्टेट बँक, दो बँक ऑफ इंडिया, एक बँक ऑफ महाराष्ट्र, ऐसे चार राष्ट्रीयकृत बँक के एटीएम है. एक आयसीआय बँक,एक सीडीसीसी बँक, एक नवनिता बँक मे खाजगी एटीएम है. ऐसे कुल 6 एटीएम है. इनमे बँक ऑफ इंडिया, भारतीय स्टेट बँक, बँक ऑफ महाराष्ट्र आदी राष्ट्रीयकृत बँक समेत आय सी आय बैक,जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँक, आयसीआयसी बँक, एक निजी बँक नवोदिता में एटीएम केंद्र कार्यरत है. सिंदेवाही-लोनवाही,नवरगाव के बँक मे एटीएम है. शहर के चंद्रपूर नागपूर राज्य महामार्ग तथा चिमूर गडचिरोली मार्ग पर सर्वाधिक एटीएम 24 घंटे सेवा देने वाले एटीएम केंद्र उपलब्ध है. लेकिन लाखो रुपये की राशि होने के बाद भी एटीएम की सुरक्षा को लेकर बैंक प्रबंधन कतई गंभीर नही है. निजी बँक के कुछ एटीएम मे सुरक्षा तैनात है. लेकिन अधिक तर राष्ट्रीयकृत बँक के एटीएम सुरक्षा रक्षक के बग़ैर चल रहे है. कई बँक के एटीएम की वातानुकूलित संयंत्र बंद है. वर्षभर मे एटीएम सेंटर की तोडफोड और चोरी के मामले उजागर नही हुए. आमतोर पर सभी बँक एटीएम मे सीसीटीव्ही कॅमेरे लगाये गये है. लेकिन सुरक्षा गार्ड न रखते हुए केवल सीसीटीव्ही के भरोसे पर लाखो रुपये की रक्कम रखना कहा तक उचित है. ऐसा सवाल किया जा रहा है. एक तरफ सिंदेवाही तहसील के निजी बँक एटीएम की सुरक्षा को लेकर काफी सतर्क दिखाई दे रहे है, तो सरकारी बैंक प्रबंधन उससे कई जादा लापरवाह दिख रहे है.

महिलाएं अब घर बैठे कर सकेंगी हस्तशिल्प का कारोबार

> नांदगांव पोडे में प्रशिक्षण का आयोजन

चंद्रपुर. खनन प्रभावित क्षेत्रों में कारीगरों की कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए बांस अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, चिचपल्ली द्वारा हाल ही में नांदगांव पोड़े में बांस हस्तशिल्प प्रशिक्षण आयोजित किया गया। खनिज विकास निधि के माध्यम से नांदगांव पोडे की महिलाओं को बांस हस्तशिल्प में प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि वे अपने कौशल को साबित कर सकें और घर से काम करके आर्थिक रूप से सक्षम बन सकें।

इस प्रशिक्षण के दौरान बांस से जाल बुनने की विभिन्न विधियां सिखाई गईं। जाल से टोकरियाँ, बक्से, बांस के फूल आदि बनाना जैसे शिल्प सिखाए गए। प्रशिक्षण का आयोजन बांस अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक अशोक खडसे और वन परिक्षेत्र अधिकारी ए.डी. मल्लेलवार द्वारा किया गया। पर्यवेक्षक प्रशिक्षण समन्वयक योगिता सातरावणे और हस्तशिल्प निदेशक किशोर गायकवाड़, संतोष बाजैत और मनीषा शर्मा की देखरेख में 13 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

नांदगांव पोडे की सरपंच वैद्य ने प्रशिक्षण का दौरा किया और महिलाओं को उनके द्वारा बनाई गई विभिन्न वस्तुओं के लिए बधाई दी तथा नांदगांव पोडे में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संगठन को धन्यवाद दिया।

गढ़चिरोली में 26-27 को राज्य स्तरीय समाचारपत्र विक्रेता सम्मेलन

> प्रदेशभर से सैकड़ों पदाधिकारी और विक्रेता होंगे शामिल

गढ़चिरोली/वर्धा:

महाराष्ट्र राज्य समाचार पत्र विक्रेता संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन 26 और 27 जनवरी 2025 को गढ़चिरौली के संस्कृति कल्चरल हॉल में आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी संघ के अध्यक्ष सुनील पाटणकर ने दी।

सम्मेलन का उद्घाटन 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संस्कृति ऑडिटोरियम, आरमारी रोड, गढ़चिरौली में होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि लॉयड्स मेटल्स स्टील प्लांट कोनसारी के आवासीय निदेशक कर्नल विक्रम मेहता होंगे। अध्यक्षता खान एवं स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री पंकज भोयर करेंगे।

इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों में ठाणे विधायक संजय केलकर, गढ़चिरौली-चिमूर सांसद नामदेव किरसान, गढ़चिरौली विधायक मिलिंद नरोटे, अहेरी विधायक धर्मराव अत्राम, आरमारी विधायक रामदास मसराम, गढ़चिरौली कलेक्टर अविश्यंत पंडा, गढ़चिरौली जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मनोहर पोरेटी, पूर्व सांसद अशोक नेते, पूर्व विधायक देवराव होली, पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, और अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

दो दिवसीय कार्यक्रम का विवरण:

26 जनवरी को दोपहर 2 बजे से प्रदेशभर के समाचार पत्र विक्रेता गढ़चिरौली पहुंचेंगे।

शाम 4 बजे केंद्रीय समिति की बैठक होगी। शाम 5 बजे प्रदेश संगठन की कार्यसमिति की बैठक होगी। शाम 6 बजे आम बैठक आयोजित की जाएगी। रात 8 बजे खुली चर्चा के बाद पहले दिन का समापन होगा। 27 जनवरी को सुबह 11 बजे राज्य संघ का खुला सत्र होगा। इस दौरान समाचार पत्र विक्रेताओं के लिए कल्याण बोर्ड को लागू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई जाएगी। इसके अलावा समाचार पत्र वितरण और व्यवसाय से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी। वर्धा से इस सम्मेलन में 50 से अधिक विक्रेता शामिल होंगे। शहर सचिव गजानन मसने और जिला सचिव बंडू मुले ने यह जानकारी दी।

सम्मेलन में शामिल होने का अनुरोध:

संघ के अध्यक्ष सुनील पाटणकर, कार्यकारी अध्यक्ष बालाजी पवार, महासचिव विकास सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र टीकार, सलाहकार शिवगोंड खोत और अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेशभर के विक्रेताओं से इस सम्मेलन में उपस्थित होने की अपील की है।

मुख्य मांग:

समाचार पत्र विक्रेताओं के कल्याण के लिए गठित बोर्ड को जल्द लागू किया जाए और उनके हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

रंगमंच और भाषा कौशल पाठ्यक्रम का आयोजन।

चंद्रपुर.

केंद्र सरकार की पीएम उषा योजना के अंतर्गत सरदार पटेल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 'रंगमंच और भाषा कौशल' विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सरदार पटेल कॉलेज के हिंदी विभाग को केंद्र सरकार का पी.एम. उषा योजना के अंतर्गत 'रंगमंच एवं भाषा कौशल' विषय पर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद काटकर ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए हिंदी विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के पाठ्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं, बल्कि उनके अंदर छिपी प्रतिभा को भी निखारते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात कलाकार अनिरुद्ध वनकर ने प्रायोगिक सत्र में 45 से अधिक विद्यार्थियों को नाट्य कला का प्रशिक्षण देकर उनके भीतर छिपे कलाकार को सामने लाने का प्रयास किया। अपने अतिथि वक्तव्य में उन्होंने कहा, "अभिनय के लिए बाहरी सुंदरता आवश्यक नहीं है, बल्कि कला की आंतरिक सुंदरता और आत्मविश्वास अधिक महत्वपूर्ण है।"

इस सर्टिफिकेट कोर्स में 'रंगमंच और अभिनय कौशल', 'रंगमंच शैली', 'मंच पर आत्मविश्वास' और 'व्यक्तित्व विकास' जैसे विषयों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का परिचयात्मक भाषण हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता बंसोड ने दिया। संचालन प्रा. डॉ. रीता पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. स्वप्निल माधमशेट्टीवार, हिंदी विभाग की प्रोफेसर प्रणिता गडकरी, पूजा सिंह, प्रो. सुमेधा श्रीरामे, माधुरी कटकोजवार और छात्रों ने विशेष योगदान दिया। विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया तथा इसे अपने लिए एक अद्भुत अनुभव बताया।

विवेक ओबेरॉय फिल्म 'केसरी वीर' को लेकर सुर्खियों में

विवेक ओबेरॉय फिल्मों से ज्यादा इस वक्त अपने बिजनेस पर ध्यान दे रहे हैं. दरअसल एक्टर का साफ तौर पर कहना है कि अब वो सिर्फ अच्छे रोल्स पर ही फोकस करेंगे और बकवास फिल्मों के लिए राजी नहीं होंगे. इसी बीच पता चला है कि विवेक ओबेरॉय कनु चौहान की फिल्म 'केसरी वीर' में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में उनके साथ सुनील शेट्टी और सूरज पंचोली भी हैं. खबर है कि फिल्म में विवेक विलेन के किरदार में नजर आएंगे.

हालांकि ये पहली बार नहीं है जब विवेक ओबेरॉय किसी फिल्म में विलेन बने नजर आ रहे हों, इससे पहले भी वो कई और फिल्मों में विलेन बन दर्शकों के दिलों पर राज कर चुके हैं. यहां तक कि जब विवेक ने अपने करियर की शुरुआत 'कंपनी' फिल्म से की तो इसमें भी वो विलेन बने नजर आए थे. चलिए जानते हैं कि और किन-किन फिल्मों में उन्होंने ग्रे शेड में दर्शकों का दिल जीता. साल 2017 में आई फिल्म 'विवेगम' को लोगों ने पसंद किया था. इस फिल्म में अजीत कुमार, विवेक ओबेरॉय और काजल अग्रवाल जैसे सितारे नजर आए थे. विवेक ओबेरॉय फिल्म में विलेन के किरदार में दिखे थे. दरअसल विवेगम के डायरेक्टर शिवा विलेन के रोल के लिए पावरफुल कैरेक्टर चाहते थे, इसीलिए उन्होंने विवेक ओबेरॉय को साइन किया था. विवेक ओबेरॉय और अजीत कुमार की हीरो-विलेन की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई थी. साल 2022 में रिलीज हुई मलयामल ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कडुआ' में भी विवेक ओबेरॉय ने ग्रे शेड रोल प्ले किया था. इस फिल्म में वो टॉप कॉप आईजी जोसेफ चांडी के किरदार में नजर आए थे. फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और संयुक्ता मेनन भी नजर आई थीं. पृथ्वीराज सुकुमारन और विवेक ओबेरॉय दोनों ने इस फिल्म में बेहतरीन रोल निभाए हैं.

सैफ अली खान ने ऑटो ड्राइवर से की मुलाकात

सैफ अली खान को बीते दिन लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया. सैफ अब पूरी तरह से ठीक हैं. 16 जनवरी को सैफ अली खान के घर पर चोरी के इरादे से एक अनजान शख्स घुस आया था. सैफ का जब उससे सामना हुआ तो दोनों के बीच हाथापाई हुई और शख्स ने एक्टर पर चाकू से वार कर डाला. सैफ अली खान बुरी तरह से घायल हो गए थे. उस वक्त एक ऑटो ड्राइवर ने सैफ को लीलावती अस्पताल पहुंचाया था. अब जब सैफ ठीक हैं तो उन्होंने ऑटो ड्राइवर भजन सिंह से मुलाकात की है.

सामने आई तस्वीर अस्पताल की है, जहां सैफ के साथ ऑटो ड्राइवर भजन नजर आ रहे हैं. जब ये खबर सामने आई थी कि ऑटो ड्राइवर ने सैफ को अस्पताल पहुंचाया था, तो उनसे सभी ने जानने की कोशिश की थी कि उस रात सैफ किस हाल में थे. अपने बयान में ऑटो ड्राइवर ने बताया था कि उन्हें तो पता ही नहीं था कि वो सैफ अली खान है. हालांकि बाद में उन्हें अस्पताल जाकर पता चल गया था. उस वक्त भजन सिंह ने सैफ से पैसे भी नहीं लिए थे.

सैफ अली खान जब अस्पताल पहुंचे थे तो वो खून में लतपथ थे. सैफ अली खान ने ऑटो ड्राइवर से वादा किया है कि उनको उनका बकाया किराया दिया जाएगा और कभी भी जरूरत पर पड़ने पर उनकी मदद भी की जाएगी. इस दौरान सैफ की मां शर्मिला टैगोर भी वहां मौजूद थीं, उन्होंने भी ऑटो ड्राइवर का शुक्रियाअदा किया. हालांकि फिल्मी इंडस्ट्री से जुड़े फैजान अंसारी ने ऑटो ड्राइवर को 11 हजार इनाम के तौर पर दिए थे. अब सैफ ने भी ऑटो ड्राइवर से मुलाकात करके उनका शुक्रियाअदा किया है. सैफ को अगर सही वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, तो मामला गंभीर भी हो सकता था. बिना पैसों की परवाह किए भजन सिंह ने सैफ को जाने दिया. उनका कहना था कि पैसा किसी की जान से बढ़कर नहीं है.

दबंगई दिखाते नजर आए सलमान

सलमान बॉलीवुड में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. फिल्म 'पुष्पा 2' के बाद रश्मिका मंदाना जल्द ही बॉलीवुड के दबंग सलमान खान के साथ फिल्म सिकंदर में नजर आने वाली हैं. सलमान खान इन दिनों अपनी इस फिल्म का काम तेजी से खत्म करने में जुटे हुए हैं. ये फिल्म इस बार ईद के मौके पर दस्तक देने वाली है. इसी बीच फिल्म सिकंदर के सेट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में सलमान खान पूरे दबंग स्टाइल में टैक्सी से उतरते नजर आ रहे हैं.एक साथ कई टैक्सी सड़क पर रुकती नजर आ रही हैं. सड़क के चारों तरफ बहुत से लोग खड़े नजर आ रहे हैं. अचानक ही सलमान खान टैक्सी से उतरकर स्लम एरिया की तरफ जाते हैं. इसी बीच टैक्सी वाला सलमान खान को पीछे से आवाज लगाना शुरू करता है. अब सलमान खान किसी की कोई बात कहां सुनने वाले हैं.सलमान खान सब लोगों को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं. इस दौरान सलमान खान बड़े ही सादे लिबास में नजर आए. सलमान खान के इस वीडियो ने सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है. सलमान खान के इस वीडियो को देखकर फैंस ने अभी से ही कहानी का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है.

पुष्पा 2 के निर्देशक के घर में छापेमारी

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार, 22 जनवरी को हैदराबाद में 'पुष्पा 2' के निर्देशक सुकुमार के घर और कार्यालय पर छापा मारा। रिपोर्ट्स के अनुसार, छापेमारी सुबह-सुबह शुरू हुई और कई घंटों तक जारी रही। कथित तौर पर सुकुमार हैदराबाद हवाई अड्डे पर थे, जब आयकर अधिकारियों द्वारा उन्हें उनके आवास पर वापस ले जाया गया, जिसके बाद छापेमारी की गई। एक दिन पहले फिल्म के निर्माता दिल राजू के घर भी आयकर विभाग की रेड पड़ी थी। छापेमारी की वजह का खुलासा फिलहाल नहीं हुआ है। आयकर छापे ऐसे समय में पड़े हैं, जब सुकुमार अपनी नवीनतम फिल्म पुष्पा 2: द रूल की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म ने भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। हालांकि, आयकर विभाग द्वारा इन छापों या सुकुमार और उनकी हालिया सिनेमेटिक उपलब्धि पर इसके प्रभाव के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।फिल्म निर्माता दिल राजू की संपत्तियों पर भी मंगलवार को आयकर ने छापेमारी की। विभाग ने एक साथ राजू के जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स स्थित कार्यालयों और आवासों पर छापेमारी की। इस दौरान उनके भाई शिरीष, बेटी हंशिता रेड्डी और अन्य रिश्तेदारों की संपत्तियों की तलाशी ली गई। कथित तौर पर, राजू की संपत्तियों पर आयकर छापे संदिग्ध कर चोरी और कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच का हिस्सा हैं।

शर्मा ने 'एनिमल' पर साधा निशाना

'एन एच 10', 'उड़ता पंजाब', 'कोहरा' और 'पाताल लोक' जैसी हिट बनाने वाले सुदीप शर्मा ने मेनस्ट्रीम सिनेमा वॉयलेंस दिखाए जाने पर अपनी राय रखी है. सुदीप शर्मा ने बिना रणबीर कपूर की 'एनिमल' का नाम लिए इसपर निशाना साधा है. उनका कहना है कि फिल्म में जिस तरीके से दिखाया जाता है कि एक आदमी हथियार लेकर होटल के कमरे में जाता है और बिना एक साथ कई लोगों को मार देता है, ये बहुत परेशान करने वाला है. ओटीटी प्ले के साथ एक इंटरव्यू के दौरान सुदीप शर्मा ने मेनस्ट्रीम सिनेमा में हिंसा दिखाए जाने के बारे में चिंता जताते हुए कहा, "मेनस्ट्रीम सिनेमा में वॉयलेंस को जिस तरीके से पॉजिटिवली दिखाया जाता है, वो मुझे परेशान करता है. जब हिंसा को बिना किसी परिणाम के दिखाया जाता है, तो दिक्कत वहां होती है.

सुदीप शर्मा ने आगे कहा, "मेनस्ट्रीम सिनेमा में किसी भी तरह की हिंसा लोगों पर गलत असर डालती है. जैसे रोड साइड वॉयलेंस लोगों के दिमाग पर गहरा असर डालती है, उसी तरह फिल्मों में दिखाई गई इस तरह की हिंसा का भी लोगों पर असर होता है." सुदीप ने वो दौर भी याद किया जब वो 80 और 90 के दशक में असम में रहते थे और उस दौर में वहां पर हुई हिंसा ने उनके दिमाग पर कितना गहरा असर डाला था. उस घटना ने उनके नजरिए को ही बदलकर रख दिया था. सुदीप ने बिना नाम लिए 'एनिमल' पर निशाना साधते हुए कहा कि "कैसे आजकल फिल्मों में कोई हीरो लापरवारी से बिना किसी परिणाम को जाने-समझे सैकड़ों लोगों को आसानी से मार देता है और फिर भी लोग उसे हीरो मानते हैं. आजकल के दर्शक फिल्मों में वॉयलेंस देखने के आदी हो चुके हैं. कैसे फिल्म में दिखाया जाता है कि एक आदमी गन लेकर होटल के अंदर घुसता है और 150 लोगों को मार देता है, उससे कोई सवाल भी नहीं करता है और उस वक्त पुलिस कहां है. कोई इस बारे में बात क्यों नहीं करता है. ऐसी चीजों का बखान क्यों किया जाता है. इस तरह के कैरेक्टर्स पर कभी सवाल क्यों नहीं उठाए जाते हैं.

विवियन ने करणवीर की गैंग से निकाली खुन्नस

रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन इसका खुमार अभी भी नहीं उतरा है। इस सीजन के फर्स्ट रनरअप विवियन डीसेना ने 21 जनवरी, मंगलवार को मुंबई में सक्सेस पार्टी होस्ट की, जिसमें कई को-कंटेस्टेंट्स नजर आए- अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह, चाहत पांडे, सारा अरफीन खान। विवियन को बाहर से सपोर्ट करने वाले मुनव्वर फारूकी, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन तक नजर आए, लेकिन कुछ चेहरे नदारद थे। सबसे ज्यादा चर्चा करण वीर मेहरा, चुम दरांग और शिल्पा शिरोडकर की हो रही है, जिनमें से चुम ने अब अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने बताया कि आखिर वो क्यों विवियन की पार्टी में शामिल नहीं हुई थीं।'बिग बॉस 18' में चुम दरांग ने टॉप-5 में अपनी जगह बनाई थी। वो भले ही शो नहीं जीत पाईं, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में जरूर कामयाब रहीं। चुम को शो खत्म होने के बाद पहली बार पपाराजी ने स्पॉट किया। जब उनसे बीती रात की पार्टी के बारे में सवाल पूछा गया तो जानिए उन्होंने क्या कहा।पपाराजी ने चुम दरांग से पूछा, 'लास्ट नाइट वहां पर पार्टी हुई थी चुम, आप दिखी नहीं, क्या वजह थी?'

'देसी गर्ल' प्रियंका ने किए बालाजी के दर्शन

भले ही अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा विदेश में रहती हैं, लेकिन आज भी वह भारत के प्रति बेहद प्रेम रखती हैं, खास तौर पर धार्मिक रूप से। बता दें, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने जीवन में एक 'नए चैप्टर' की शुरुआत की घोषणा करते हुए हैदराबाद के "चिलकुर बालाजी मंदिर" के दर्शन किए, जिसकी फोटो उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ शेयर की है।

हालांकि प्रियंका चोपड़ा ने यह नहीं बताया कि 'नया चैप्टर' से उनका क्या मतलब है, लेकिन सोशल मीडिया पर यूजर्स एसएस राजामौली और महेश बाबू के साथ उनकी फिल्म की शूटिंग शुरू होने की शुरुआत का अंदाजा लगा रहे हैं। बता दें, हैदराबाद की सीमा के करीब 40 किमी दूर स्थित चिलकुर बालाजी मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। देश और दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर के दर्शन करने आते हैं।

चिलकुर बालाजी मंदिर को तेलंगाना के सबसे पुराने मंदिरों में से एक माना गया है, जिसका निर्माण भक्त रामदास के चाचा अक्कन्ना और मदन्ना के समय में किया गया था। इस मंदिर को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं, जिनमें से एक है, कि जो भक्त हर साल तिरुपति की यात्रा करता था, वह एक बार बीमारी के कारण दर्शन नहीं कर सका था।

फिर रिलीज होने जा रही है फिल्म 'पद्मावत'

रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और शाहिद कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पद्मावत' सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को वास्तविक रिलीज के सात साल बाद सिनेमाघरों में फिर से लाया जा रहा है। रानी पद्मावती के जौहर की महान गाथा को फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए फैंस बेहद उत्साहित हैं। वॉयकॉम 18 स्टूडियो और भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आज एक पोस्ट साझा की और महाकाव्य पीरियड ड्रामा का पोस्टर शेयर कर फिल्म की री-रिलीज की बात बताई है। इस फिल्म से रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और शाहिद कपूर की तस्वीरें हैं। पद्मावत फिल्म 24 जनवरी 2025 को फिर से बड़े पर्दे पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म को देखने के लिए फैंस ने अपना उत्साह दिखाया है। फिल्म की रिलीज की इस पोस्ट पर फैंस ने अपनी बात भी सोशल मीडिया पर लिखी है।इस पोस्ट पर फैंस ने देवदास और बाजीराव मस्तानी देखने की मांग की है। फिल्म को लेकर फैंस ने कहा, पूरी स्टार कास्ट का री-यूनियन करवाइए, फैंस ये तस्वीरें भी देखना चाहेंगे। एक अन्य फैन ने लिखा, मैं इमेजन भी नहीं कर सकता कि मैं फिर से पद्मावत थिएटर में देख पाऊंगा।पद्मावत फिल्म को लेकर सात साल पहले बहुत सारे राजनीतिक पेंच और जंग देखने को मिली थी। इस फिल्म को लेकर करणी सेना ने कई सारे प्रदर्शन किए थे। फिल्म के नाम को लेकर भी बहुत चर्चा रही थी। कई बार रिलीज टलने के बाद पद्मावत फिल्म को 25 जनवरी 2018 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज किया गया।

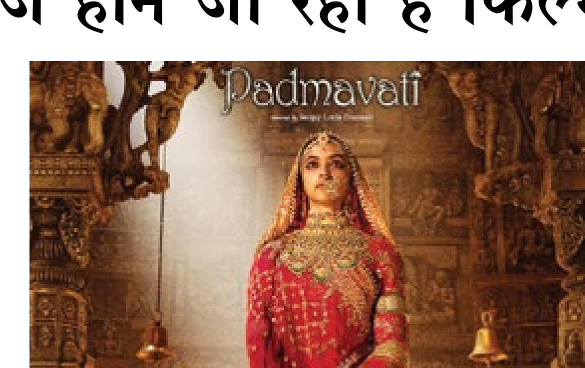

CMYK

भारत की जर्सी पर पाकिस्तान लिखा होगा या नहीं?

नई दिल्ली. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से ठीक पहले टीम इंडिया की जर्सी पर विवाद छिड़ गया. दावा किया जा रहा था कि भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम नहीं होगा. पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान है. लिहाजा मेजबान देश का नाम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों की जर्सी पर आईसीसी के लोगो के साथ होता है. अब इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का जवाब आ गया है. बीसीसीआई ने बताया कि वे आईसीसी के सभी नियमों का पालन करेंगे. बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने जर्सी के मामले पर प्रतिक्रिया जाहिर की है. बीसीसीआई सचिव ने कहा, ``हम आईसीसी की गाइडलाइन को फॉलो करेंगे. जैसा आईसीसी का निर्देश होगा, वैसा ही किया जाएगा.`` बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि टीम इंडिया की जर्सी पर आईसीसी

चैंपियंस ट्रॉफी के लोगों के साथ पाकिस्तान का नाम भी होगा. चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले टीम इंडिया की जर्सी को लेकर चल रहा विवाद अब थम जाएगा.

टीम इंडिया की जर्सी को लेकर क्यों खड़ा हो गया था विवाद -

दरअसल दावा किया जा रहा था कि टीम इंडिया की जर्सी पर चैंपियंस ट्रॉफी के मेजबान देश पाकिस्तान का नाम नहीं होगा. टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जा रही है. वह अपने मैच यूएई के दुबई में खेलेगी. लिहाजा यह विवाद खड़ा हो गया कि भारतीय टीम जर्सी पर सिर्फ चैंपियंस ट्रॉफी के लोगो को ही रखेगी. लेकिन अब इस पर बीसीसीआई सचिव ने स्थिति को साफ कर दिया है.

आईसीसी टूर्नामेंट्स में जर्सी को लेकर क्या है नियम -

आईसीसी की टीमों को टूर्नामेंट के लिए जर्सी को लेकर खास गाइडलाइन बनाई गई है. इसके तहत सभी टीमों की जर्सी पर उनके बोर्ड के लोगो के साथ-साथ टूर्नामेंट के लोगो को भी रखना होता है. इसके साथ ही मेजबान देश का नाम भी मेंशन करना होता है. अगर टूर्नामेंट भारत में होता तो चैंपियंस ट्रॉफी के लोगो के साथ भारत लिखा जाता है. लेकिन इस बार मेजबान पाकिस्तान है तो उसका नाम लिखा जाना जरूरी है.

एबी डीविलियर्स की क्रिकेट में वापसी की संभावना

नई दिल्ली.

नवंबर 2021 में जब एबी डीविलियर्स ने अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया था. उन्होंने पिछले करीब साढ़े 3 साल से कोई प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन अब वापसी का हिंट देकर उन्होंने क्रिकेट जगत में एक बार फिर बवाल मचा दिया है. डीविलियर्स का कहना है कि वो जरूर दोबारा क्रिकेट खेलना चाहेंगे, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि वो इंडियन प्रीमियर लीग या फिर अन्य किसी फ्रैंचाइजी लीग में वापस नहीं आ रहे हैं. एक पॉडकास्ट पर चर्चा करते हुए एबी डीविलियर्स ने कहा कि वो शायद अब भी वनडे क्रिकेट खेल सकते हैं. उन्होंने कहा, "मैं कोई पुष्टि नहीं कर रहा हूं, लेकिन अंदर से महसूस कर सकता हूं. मेरे बच्चे मुझ पर दबाव बना रहे हैं कि मैं नेट्स में उनके साथ अभ्यास करूं. मुझे यह पसंद आया तो मैं शायद कहीं किसी मैदान में अनौपचारिक क्रिकेट खेल सकता हूं. मैं पहले ही साफ कर देता हूं कि मेरा

ऑयपीएल या SA20 जैसी लीग में वापसी का कोई मन नहीं है."

दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, "आगे का कौन जानता है, लेकिन देखते हैं. मैं दोबारा क्रिकेट में आने का प्रयास करूंगा और देखते हैं कि यह मेरे लिए कितना कारगर रहता है. मैं ऐसा अपने बच्चों के लिए करूंगा देखना चाहूंगा कि पहले की तरह क्रिकेट के खेल का आनंद ले पाता हूं या नहीं."

एबी डीविलियर्स कई साल आईपीएल में विराट कोहली के साथ खेले हैं और दोनों की अच्छी दोस्ती भी रही है. डीविलियर्स ने कहा, मैं आरसीबी या प्रोफेशनल लेवल क्रिकेट के बारे में बात नहीं कर रहा हूं. मैं दोबारा उस दबाव को नहीं झेलना चाहता. मैं जहां भी जाऊंगा, वहां आनंद लेने का प्रयास करूंगा.

कुश्ती को बाहर करने पर आया एरिका वीब का बयान

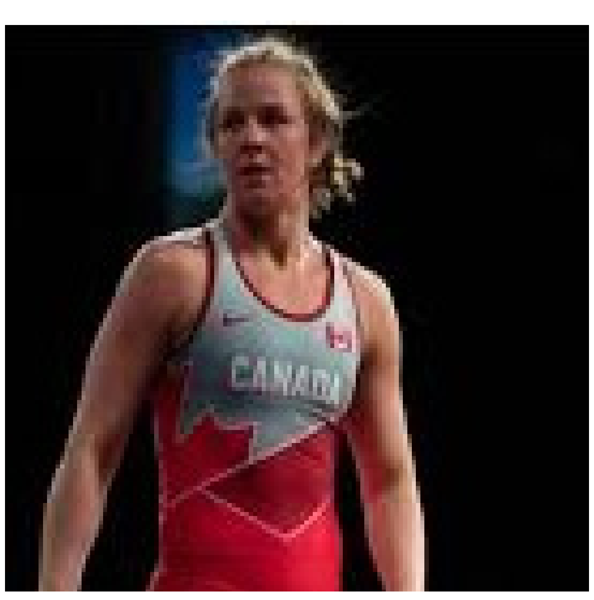

नई दिल्ली.

पूर्व ओलंपिक चैंपियन पहलवान एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर करने को बेहद निराशाजनक करार दिया लेकिन साथ ही उम्मीद जताई कि अगले सत्र में खेल की वापसी होगी। कनाडा की एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता था। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और आईएसएस के सहयोग से यहां चल रहे अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती शिविर और `रेसलिंग मास्टरक्लास` कार्यक्रम के लिए यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट आई एरिका ने वकालत की कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था।

एरिका ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा- ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक था। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस खेल (कुश्ती) की लोगों तक अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर हैं। और इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि चीजें बदलेंगी। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे।

क्रास्टो-कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी अगले दौर में पहुंची

अब मलेशियाई जोड़ी से होगा सामना

नई दिल्ली. तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और सीधे गेम में जीत दर्ज करके इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। क्रास्टो और कपिल ने पहले दौर के मैच में अदनान मौलाना और इंदा काहया सारी जमील की इंडोनेशियाई जोड़ी को 21-18, 21-14 से हराया और अब उनका अगला मुकाबला मलेशिया के पैंग रॉन हू और सु यिन चेंग से होगा। क्रास्टो ने मंगलवार को अनुभवी अश्विनी पोनप्पा के साथ महिला युगल के दूसरे दौर में भी प्रवेश किया। इस जोड़ी ने थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकिता सुवाचाई को 21-6, 21-14 से हराया और अब उनका सामना मलेशिया की पेई की गो और मेई

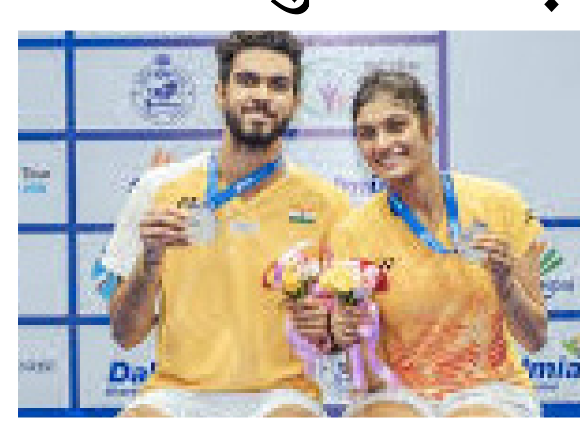

जिंग तेओह से होगा। हालांकि रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गद्दे की अन्य भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी पहले दौर में इंग्लैंड के ग्रेगरी मायर्स और जेनी मायर्स से 9-21, 13-21 से हारकर बाहर हो गई।

भारत के लिए दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओडिशा मास्टर्स 2023 के उपविजेता आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज दोनों अपने पुरुष एकल के शुरुआती दौर के मैच हार गए। शेट्टी ने 19-21, 19-21 से हारने से पहले चीन के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी शी यू क्यूई के सामने कड़ी चुनौती पेश की, जबकि किरण जॉर्ज कोरिया के जियोन ह्योक-जिन से 12-21, 10-21 से हार गए। महिला एकल में भी भारत के लिए यह अच्छी शुरुआत नहीं रही। रक्षिता श्री संतोष रामराज शुरुआती दौर में जापान की टोमोका मियाज़ाकी से 17-21, 19-21 से जबकि तान्या हेमंत थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से 14-21, 11-21 से हार गईं।

फाइनल में पहुंची सिडनी थंडर मैकएंड्रयू ने झटके 5 विकेट

नई दिल्ली.

बिग बैश लीग के नॉक आउट मुकाबले में सिडनी थंडर ने मेलबर्न स्टार्स की मजबूत टीम को हरा दिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए सिडनी थंडर ने 19 ओवर में 135 रन बनाए जवाब में मेलबर्न स्टार्स की टीम 114 रनों पर ढेर हो गई. सिडनी थंडर की जीत के हीरो नाथन मैकएंड्रयू रहे, जिन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 5 विकेट झटके. दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अकेले ही मेलबर्न की मजबूत बैटिंग यूनिट को ध्वस्त कर दिया. बड़ी बात ये है कि मैकएंड्रयू ने 24 में से 17 गेंदों पर एक भी रन नहीं दिया. नाथन मैकएंड्रयू ने मेलबर्न स्टार्स को ऐसी चोट पहुंचाई जिससे ये टीम उबर ही नहीं सकी. उन्होंने सबसे पहले ओपनर सैम हार्पर को आउट किया. इसके बाद ये खिलाड़ी थॉमस फ्रेजर रॉजर्स का विकेट भी ले गया. अंत के ओवरों में मैकएंड्रयू ने हिल्टन कार्टराइट, मार्क स्कीटी को आउट किया और अंत में डग वॉरेन को आउट कर उन्होंने अपने पांच विकेट भी पूरे कर लिए. इस विकेट के साथ ही मेलबर्न स्टार्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई. मैकएंड्रयू बिग बैश लीग

के इतिहास में नॉकआउट मुकाबले में सबसे बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी भी बन गए. बड़ी बात ये है कि मेलबर्न स्टार्स की टीम में ऑस्ट्रेलिया के दो सुपरस्टार खिलाड़ी भी थे. बात हो रही है मैक्सवेल और स्टोयनिस की और ये दोनों ही बुरी तरह फेल साबित हुए. स्टोयनिस ने 24 गेंदों में 15 रन बनाए. मैक्सवेल भी 28 रन बनाकर आउट हो गए. मैक एंड्रयू के अलावा टॉम एंड्रयूज और तनवरी संघा ने भी सिडनी थंडर के लिए बेहतरीन गेंदबाजी की. दोनों ने 2-2 विकेट हासिल किए. क्रिस ग्रीन ने भी एक विकेट हासिल किया. बिग बैश लीग के चैलेंजर्स मुकाबले में अब सिडनी सिक्सर्स और सिडनी थंडर के बीच जंग होगी. ये मैच 24 जनवरी को होगा. इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल में होबार्ट हरीकेंस से भिड़ेगी.

पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी कड़ी सुरक्षा के बीच

नई दिल्ली.

पाकिस्तान 26 साल के बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है. 19 फरवरी से पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत होगी. 8 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जमकर तैयारी कर रहा है.

टीम इंडिया को छोड़कर बाकी सभी टीमें इस टूर्नामेंट के दौरान पाकिस्तान का दौरा करेंगी. ऐसे में पाकिस्तान के कड़ी सुरक्षा तैयारियां शुरू कर दी हैं. टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए हजारों पुलिस वाले तैनात किए जाएंगे.

खिलाड़ियों की सुरक्षा में इतने जवान होंगे तैनात

पंजाब पुलिस ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की कड़ी सुरक्षा के लिए 12000 से ज्यादा पुलिस अधिकारी तैनात करने का फैसला किया है. लाहौर और रावलपिंडी में होने वाले हाई-प्रोफाइल मैचों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन

पुलिसवालों की तैनाती होगी. लाहौर में मैचों के दौरान सुरक्षा बनाए रखने के लिए 7,618 अधिकारियों की एक टुकड़ी मैदान पर तैनात रहेगी. दूसरी ओर रावलपिंडी में 4,535 पुलिस अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे. निगरानी को मजबूत करने के लिए पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की सहायता से हवाई निगरानी की जाएगी.

खिलाड़ियों को मिलेगा को राज्य अतिथि का दर्जा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लेंगे वाले सभी खिलाड़ियों को राज्य अतिथि का दर्जा दिया जाएगा. यानी उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी. आयोजन स्थलों तक जाने वाले मार्गों पर सेफ सिटी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी. जिससे किसी भी घटना को रोका जा सके. बता दें, पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मैच तीन स्थानों पर खेले जाएंगे, जिसमें लाहौर और रावलपिंडी के अलावा कराची का नाम भी शामिल है.

किदांबी श्रीकांत की 2025 सीजन के लिए योजनाएं और लक्ष्य

नई दिल्ली. पूर्व विश्व नंबर 1 और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत ने 2025 सीजन के लिए अपनी योजनाओं को साझा करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य रैंकिंग में शीर्ष-25 में वापस आना है और आगामी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने पर उनका ध्यान केंद्रित है। पिछले साल नवंबर में हैदराबाद में स्टाइलिस्ट श्रव्या वर्मा से शादी करने वाले श्रीकांत का पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा। वह पिछले साल ओलंपिक में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। 2024 में 14 टूर्नामेंटों के दौरान वह छह स्पर्धाओं के पहले दौर में बाहर हो गए और तीन बीडब्ल्यूएफ स्पर्धाओं में दूसरे दौर में हार गए। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर मौजूद श्रीकांत ने कहा, "2025 में (मेरा लक्ष्य) निश्चित रूप से फिर से कम से कम शीर्ष 20-25 (रैंकिंग में) में वापस आना होगा और फिर टूर्नामेंट जीतने की कोशिश करनी होगी तथा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।"

पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी के लिए 2025 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

टी 20 के बाद भारत में 25-ओवर के फॉर्मेट में नया क्रिकेट टूर्नामेंट

नई दिल्ली.

इंटरनेशनल क्रिकेट में टेस्ट वनडे और टी20 फॉर्मेट में मुकाबले खेले जाते हैं. वहीं, अब कुछ लीग 10-10 ओवर के मैचों की भी खेली जाने लगी है. इसी बीच भारत में एक नए टूर्नामेंट की शुरुआत होने जा रही है. इस टूर्नामेंट में 25-ओवर के फॉर्मेट में मुकाबले खेले जाएंगे , जिसका नाम शनि ट्रॉफी है. शनि ट्रॉफी 2025 फरवरी के महीने में लखनऊ में खेली जाएगी. खास बात ये है कि इस टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट की विभिन्न श्रेणियों के खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे. जिसमें रिटायर हो चुके दिग्गज क्रिकेटर, वर्तमान रणजी ट्रॉफी के खिलाड़ी और आईपीएल के स्टार खिलाड़ी शामिल होंगे। जिससे इस टूर्नामेंट का रोमांच और भी ज्यादा हो जाएगा. शनि ट्रॉफी 2025 में कुल 10 टीमें भाग लेंगी. इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों

में टीम इंडिया के स्टार युजवेंद्र चहल, रियान पराग, और साईं सुदर्शन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं. वहीं, आईपीएल स्टार राहुल तेवतिया भी खेलते हुए नजर आएंगे. टूर्नामेंट में शामिल होने वाले खिलाड़ियों का चयन इस तरह किया गया है कि इसमें भारत के विभिन्न क्रिकेट स्तरों के खिलाड़ी एक साथ खेलेंगे, जो भारतीय क्रिकेट के बेस्ट खिलाड़ियों की प्रतिभा और अनुभव को एक जगह लाएगा. बता दें, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बीसीसीआई के पूर्व चयनकर्ता चेतन शर्मा को शनि ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है. इस टूर्नामेंट का आयोजन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ (सीएएल) के सहयोग से किया जाएगा. शनि ट्रॉफी के अध्यक्ष सुमित शुक्ला ने कहा, 'हम उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ (सीएएल) के साथ मिलकर इस नए और रोमांचक क्रिकेट फॉर्मेट को जीवंत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं. हमें यकीन है कि इस टूर्नामेंट के माध्यम से क्रिकेट के फैंस को एक अच्छा अनुभव मिलेगा.'युजवेंद्र चहल फिलहाल अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में बने हुए हैं. वहीं, चहल टीम इंडिया के साथ-साथ घरेलू क्रिकेट से भी दूर हैं. ऐसे में वह इस टूर्नामेंट से मैदान पर वापसी करते हुए नजर आ सकते हैं, जो आईपीएल की तैयारियों को देखते हुए उनके लिए काफी अहम रहने वाला है. वहीं, रियान पराग भी इंजरी के चलते इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं. वह हाल ही में अपनी चोट से ठीक हुए हैं.

श्रेयस अय्यर और केकेआर के बीच रिटेंशन को लेकर विवाद

नई दिल्ली.

इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन की शुरुआत 23 मार्च से होगी. पिछले साल आईपीएल 2025 के लिए मेगा ऑक्शन का आयोजन हुआ. नीलामी से पहले कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज किया गया. आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर भी रिटेन नहीं किए गए थे. हाल ही में श्रेयस अय्यर ने कहा था कि केकेआर ने उनसे आईपीएल 2025 की रिटेंशन से पहले बात ही नहीं की. अब पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एक अलग ही राज खोल दिया है.

श्रेयस अय्यर ने कहा था कि चैंपियन बनने के बाद हमारी बात हुई थी, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी मैनेजमेंट की ओर से रिटेंशन को लेकर प्रयास नहीं हुए. मैं हैरान था कि यह क्या हो रहा है? आपसी तालमेल की कमी के कारण मैंने और टीम मैनेजमेंट ने एक-दूसरे का साथ छोड़ने का फैसला लिया. पर अब आकाश चोपड़ा ने एक अलग ही खुलासा कर दिया है. साफ शब्दों में कहें तो आकाश चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर को झुठला दिया है. पूर्व क्रिकेटर और फेमस क्रिकेट कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा श्रेयस अय्यर के दावों को सही नहीं मानते हैं. आकाश चोपड़ा ने कहा कि मैं पुष्टि कर सकता हूं कि दोनों के बीच बात हुई थी. सच कहूं तो एक लंबी बातचीत हुई थी, लेकिन सहमति नहीं बन पाई. वो एक अलग मामला है. आकाश ने कहा,अय्यर के मन में भी कुछ चीजें थीं, फ्रेंचाइजी और उनमें सहमति नहीं बन पाई. लेकिन जो कुछ भी हुआ, वो काफी दिलचस्प रहा. कभी-कभी आप सोचते हैं कि कर्म ही असली है यार. मैं कंफर्म कर सकता हूं कि बात हुई थी. मेरे भी अपने सोर्स हैं.

श्रेयस अय्यर ने यह भी कहा था कि रिटेन न होने से उन्हें बहुत निराशा हुई थी. उन्होंने कहा था, "हां मैं रिटेन न किए जाने से निराश था. जब तालमेल की कमी हो और आपको रिटेंशन की अंतिम तारीख से केवल एक हफ्ते पहले चीजें पता चल रही हों, तो वहां जरूर कुछ गलत है. इस कारण मुझे फैसला लेना ही था. जो किस्मत में लिखा होता है, वह होकर रहता है.

आपदा की पोल-पट्टी छिपी नहीं है : पीएम मोदी

> शीशमहल पर पैसे बहाए और पानी के लिए तरसा दिया

नई दिल्ली.

पीएम मोदी ने दिल्ली के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया. उन्होंने कहा कि दिल्ली आपदा वालों की पोल-पट्टी अब किसी से छुपी नहीं है. दिल्ली के लोगों के साथ आप ने बहुत विश्वासघात किया है. ये आपदा वाले हर दिन एक नई घोषणा कर रहे हैं. ये इतने डरे हुए हैं कि इन्हें रोज नई घोषणा लेकर आ जाते हैं. रोज इनको अपने पराजय की खबरें मिल रही हैं. दिल्ली के लोगों को इनका खेल समझ आ गया है.

पीएम मोदी ने कहा कि आपदा ने तो कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है. कांग्रेस को सात साल लगे थे, लेकिन इन्होंने 7 महीने में ही ये दुनिया का पहला ऐसा आपदा मॉडल है, जो हवा में घोषणा करता है, जिसका बाद में कोई पता नहीं चलता है. पीएम मोदी ने कहा कि ये आजकल सब जगह बोलते हैं कि ये फिर आएंगे-आएंगे और ऑडिएंस का जबाव आता है, फिर खाएंगे-खाएंगे.

पीएम मोदी ने कहा कि इनका पूरा ध्यान शीशमहल बनाओ, शीशमहल में सपने देखो, और मौज करो, इनके शीशमहल में पानी की तरह पैसा बहा और इन्होंने दिल्ली को पीने के पानी के लिए तरसा दिया. ये आपदा वाले पूर्वांचल के लोग से इतनी नफरत करते हैं कि अब पूर्वांचल के लोग उसे नहीं भूलेंगे. किस तरह कोविड में उन्हें दिल्ली से भगाया गया.हजारों बूथ कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से ढेर सारे सुझाव रखे हैं. पीएम मोदी ने कहा कि नमो ऐप के माध्यम से भी हजारों सवाल आए हैं. 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' केवल एक कार्यक्रम नहीं है. ये भाजपा की जीवंतता, भाजपा की जड़ों की ताकत और जिन जड़ों से भाजपा का विस्तार हुआ है, उसके मूल में आप सब कार्यकर्ताओं ने जिसे अपना जीवन मंत्र बनाया है, वो है 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत'.

झुग्गी वाले घर पाकर बहुत खुश हैं

आपदा ने दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दिया, क्योंकि इन्हें दिल्ली वालों की परवाह नहीं है. ये आप-दा पीएम मोदी ने कहा कि ऑटो वालों को जो सुविधाएं मिलेंगी वो सभी ई-रिक्शा वालों को भी मिलेगी. झुग्गी के बदले मकान देने को लेकर एक कार्यकर्ता ने कहा कि झुग्गियों में रहने वाले लोग बहुत खुश हैं, क्योंकि उन्हें अब रहने के लिए घर मिला है. वरना आपदा की सरकार ने तो सिर्फ शराब बांटकर लोगों के घरों को उजाड़ने पर काम किया है.

चीनी नागरिकों के वाहन पर हमला

नई दिल्ली.

अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके में हमले की खबरें सामने आती रहती हैं. यहां अब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया है. पूर्वोत्तर इलाके में चीनी नागरिकों के वाहन पर हमला किया गया. जिसके कारण एक चीनी नागरिक की मौत हो गई है. पूरा मामला ख्वाजा बहाउद्दीन जिले के कलाकार इलाके का है. ख्वाजा बहाउद्दीन जिले के कटकाजार इलाके में मंगलवार शाम (21 जनवरी) को चीनी नागरिकों को ले जा रहे एक वाहन पर हमला किया गया था. इस हमले में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. इसके अलावा एक नागरिक की मौत की खबर भी है.

जानकारी है कि मरने वाला नागरिक खनन क्षेत्र में काम करता था. फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है. इस हमले और हमले में मरने वाले युवक को लेकर फिलहाल तालिबान की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है. खबर ये भी ये मरने वाला शख्स तालिबान आतंकवादी समूह को प्रशिक्षण दे रहा था. जिसके कारण उस पर हमला किया गया है.इस हमले में तालिबान खुफिया कर्मचारी के साथ एक चाइनीज ट्रेनर मारा गया है. उनके पास से एक एम 4 हथियार, एक रूसी कोलखोव हथियार, दो अमेरिकी ब्रिटा राइफलें और 3 हथगोले सहित अन्य गोला-बारूद जब्त किया गया. ये पूरी कार्रवाई नेशनल मोबिलाइजेशन फ्रंट के लड़ाकों ने की है. अफगान पहले ही चीन को चेता चुका है कि संबंधों को ध्यान में रखते हुए वो अपने जासूसों को अफगानिस्तान में एंटर करने से रोके. ताकि चीनी सरकार और लोगों के प्रति नफरत की भावना विकसित होने से रोका जा सके.इन आतंकवादी संगठनों से चीन समेत स्थानीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है. इसके पहले भी चीनी नागरिकों पर हमला किया गया था. उस समय 1 की मौत और 5 लोग घायल हुए थे. अब दूसरा हमला है.

दिल्ली चुनाव में अब बढ़ेगी सियासी तपिश

> रण में उतरे राहुल गांधी

दिल्ली

विधानसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रत्याशियों ने अपने-अपने इलाके में चुनावी प्रचार शुरू कर दिया है. ऐसे में दिल्ली की सियासी तपिश बढ़ाने के लिए बड़े नेता भी चुनावी रणभूमि में उतरने जा रहे हैं. कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी बुधवार से लगातार तीन दिनों तक दिल्ली के सियासी माहौल को गर्म रखेंगे तो पीएम मोदी और सीएम योगी सहित बीजेपी के तमाम दिग्गजों की रैलियां कराने की रूपरेखा बन गई है. इस तरह राहुल गांधी से लेकर मोदी और योगी तक दिल्ली चुनाव में अरविंद केजरीवाल की टेंशन बढ़ाते नजर आएंगे?

दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए 5 फरवरी को मतदान है, जिसके चलते 3 फरवरी शाम पांच बजे तक ही चुनाव प्रचार किया जा सकेगा. ऐसे में दिल्ली चुनाव के सभी प्रत्याशियों के लिए अपने-अपने पक्ष में प्रचार कर सियासी माहौल बनाने के लिए 12 दिन ही बच रहे हैं. इसके चलते अब दिल्ली में आक्रामक चुनाव प्रचार शुरू हो रहा है, जिसके चलते कांग्रेस और बीजेपी के दिग्गज नेताओं की फौज अब अपने-अपने तरकश से तीर निकालकर केजरीवाल पर निशाना साधती नजर आएगी. इसका आगाज राहुल गांधी बुधवार से शुरू कर रहे हैं.

कांग्रेस के सबसे बड़े कद्दावर चेहरा माने जाने वाले राहुल गांधी बुधवार से मिशन-दिल्ली की कमान संभालेंगे. राहुल लगातार तीन दिनों तक तीन रैली करेंगे और कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनेंगे. राहुल गांधी बुधवार को सदर बाजार विधानसभा क्षेत्र के इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के पास रैली करेंगे तो गुरुवार को मुस्तफाबाद विधानसभा सीट और शुक्रवार को मादीपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित करने का काम करेंगे. इसके पहले राहुल गांधी ने 13 जनवरी को नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के सीलमपुर इलाके में रैली कर दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के प्रचार अभियान का आगाज किया था.

जेडीयू ने मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष को हटाया

इंफाल.

हिंसाग्रस्त मणिपुर में भाजपा और जेडीयू के समर्थन को लेकर सियासी ड्रामा हुआ। पहले जेडीयू की राज्य इकाई ने भाजपा नेतृत्व वाली सीएम एन बीरेन सिंह की सरकार से समर्थन वापस लेने का पत्र जारी किया। जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष के बीरेन सिंह ने भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने की बात कहते हुए राज्यपाल को पत्र लिखा। प्रदेश अध्यक्ष का पत्र सामने आने के बाद जेडीयू ने कार्रवाई की। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष को पद से हटा दिया। प्रदेश अध्यक्ष के बीरेन सिंह ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को लिखे पत्र में कहा कि फरवरी-मार्च 2022 में मणिपुर विधानसभा के लिए हुए चुनाव में जदयू के छह उम्मीदवार जीते थे। कुछ महीनों के बाद जदयू के पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए। पांचों विधायकों के खिलाफ भारत की दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर न्यायाधिकरण में मुकदमा लंबित है।

पत्र में लिखा गया कि इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनने के बाद जद (यू) ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया गया। अब मणिपुर में जद (यू) के एकमात्र विधायक मोहम्मद अब्दुल नासिर को विधानसभा के अंतिम सत्र में अध्यक्ष द्वारा विपक्ष की बेंच पर बैठाया गया। समर्थन वापसी का बीरेन सिंह सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। क्योंकि 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 37 सीटें हैं और उसे नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है।

21 दिनों में 50 नक्सली मारे गए

नई दिल्ली.

देश में नक्सल आतंक के खिलाफ सुरक्षा बल लगातार बड़ा एक्शन ले रहे हैं. सुरक्षाबलों ने कई नक्सलियों को एनकाउंटर में ढेर किया है. लगातार नक्सलियों का एनकाउंटर हो रहा है, जिससे नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं. नक्सल मोर्चे पर फोर्स को एक के बाद एक बड़ी कामयाबी मिल रही है. गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक साल 2025 में अब तक 50 नक्सलियों की मुठभेड़ में मौत हुई है. वहीं 2024 में करीब 290 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है. गृह मंत्रालय के मुताबिक 2025 में महज 21 दिनों में 50 नक्सली मारे गए हैं. नक्सली बेल्ट में 2019 से अब तक 290 सशस्त्र सैनिक बलों के कैंप स्थापित हो सके हैं.इसमें से 2024 में 58 कैंप नक्सली बेल्ट में स्थापित किए गए हैं. जबकि महज 21 दिनों में 2025 में 88 कैंप स्थापित किए जा चुके हैं. यानि विगत 13 महीने से कम अवधि में नक्सली बेल्ट में 146 कैंप स्थापित किए जा चुके हैं. वहीं 2019 से 2024 तक पांच वर्षों में 144 अर्धसैनिक बलों के कैंप नक्सली बेल्ट में स्थापित किए जा चुके हैं.छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के एक संयुक्त दल ने मुठभेड़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के एक शीर्ष नेता सहित 14 नक्सलियों को मार गिराया है. इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान घायल हुए हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुठभेड़ को 'नक्सलवाद के लिए एक और बड़ा झटका' करार देते हुए कहा है कि सुरक्षाबलों ने 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है.

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले सोमवार को इसी अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं थीं तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया था. उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर मैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें 12 और नक्सली मारे गए.

न्यूयॉर्क के स्कूलों में मोबाइल के इस्तेमाल पर लगेगी रोक

न्यूयॉर्क. गवर्नर कैथी होचुल ने मंगलवार को राज्य भर के स्कूलों में छात्रों के मोबाइल फोन इस्तमाल पर रोक लगाने को लेकर प्रस्ताव रखा। इसके तहत अगले शैक्षणिक वर्ष से न्यूयॉर्क राज्य के सभी स्कूलों में छात्रों को अपने सेलफोन छोड़ने होंगे। बता दें कि गवर्नर होचुल की इस योजना के लिए विधायकों की स्वीकृति की आवश्यकता होगी और यह योजना स्कूलों में छात्रों को कक्षा, दोपहर के भोजन, और हॉलवे में अपने फोन और अन्य उपकरणों को इस्तेमाल करने से रोकने के लिए है।गवर्नर होचुल ने प्रस्ताव को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि इस कदम से छात्रों को कक्षा में ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी और उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने फोन से बहुत अधिक व्यस्त होते हैं, जिससे वे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। साथ ही होचुल का यह भी मानना हैं कि जब बच्चे अपने दोस्तों के साथ वायरल डांस और संदेशों पर ध्यान दे रहे होते हैं तो उन्हें पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है।

अरुणाचल प्रदेश में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देगी भाजपा

नई दिल्ली.

भारतीय जनता पार्टी की अरुणाचल प्रदेश इकाई ने बड़ा एलान किया है। राज्य इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कलिंग मोयॉन्ग ने कहा कि भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में महिला आरक्षण पर कानून को अक्षरश: लागू करेगी। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को सत्ता में आने के लिए एक मंच मिलेगा। मोयोंग ने कहा कि मुख्यमंत्री पेमा ने चर्चा के दौरान उनसे महिला उम्मीदवारों को घरों से बाहर निकलकर 2029 में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार करने के लिए प्रेरित करने को कहा है। मोयॉन्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि आगामी चुनाव में मौजूदा मंत्रियों और विधायकों के जीवनसाथियों को टिकट नहीं मिलेगा। राज्य पार्टी प्रमुख ने कहा कि राज्य की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में जिस तरह अपना लोहा मनवा रही हैं, उसी तरह वे राजनीति में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। उनके सामने राजनीतिक और सामाजिक बाधाएं नहीं आनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपनी रणनीतियों के बारे में भी बताया। मोयॉन्ग ने कहा कि पार्टी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में राज्य सरकार का समर्थन करेगी। साथ ही उन्होंने विकास योजनाओं के बारे में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए जन-जन तक पहुंच के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति का समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पार्टी और राज्य सरकार के बीच उचित समन्वय होना चाहिए।

> पार्टी अध्यक्ष मोयोंग का ऐलान

एफओबी के चक्रव्यूह में फंसे नक्सली

नई दिल्ली.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भरोसा दिलाया है कि मार्च 2026 से पहले यानी लगभग 400 दिन में देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। 'सीआरपीएफ' और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा', डीआरजी व राज्यों की पुलिस, केंद्रीय गृह मंत्री के इस भरोसे को पूरा करने में जुटी हैं। आगामी 400 दिनों में नक्सलवाद खत्म हो जाएगा, गृह मंत्री की इस मुहिम का असर दिखने लगा है। घने जंगल में और नक्सलियों के गढ़ में पहुंचकर सीआरपीएफ व दूसरे बलों के जवान 48 घंटे में 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित कर रहे हैं।

अब इसी एफओबी के चक्रव्यूह में फंसकर नक्सली मारे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने ऐसा जाल बिछाया है कि जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प बचते हैं। एक, वे सरेंडर कर दें और दूसरा, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गोली खाने के लिए तैयार रहें।केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नक्सलियों का अंत अब कितना निकट है, यह अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2023 में 50 नक्सली मारे गए थे तो वहीं 2024 में मुठभेड़ के दौरान 290 नक्सलियों को मौत के घाट उतारा गया। 2025 में 21 जनवरी तक 48 नक्सली मारे गए हैं। 2019 से लेकर अभी तक 290 कैंप स्थापित किए गए हैं। 2024 में 58 कैंप स्थापित हुए थे। इस वर्ष 88 कैंप स्थापित किए जाने के प्रस्ताव पर काम शुरु हो चुका है। ये कैंप नक्सल के किले को ढहाने में आखिरी किल साबित हो रहे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केंद्रीय बल के एक अधिकारी बताते हैं, जिस तेजी से 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित हो रहे हैं, उससे यह बात साफ है कि तय अवधि में नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा। सुरक्षा बल, नक्सलियों के गढ़ में जाकर उन्हें ललकार रहे हैं।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

> पंजाब सरकार ने सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली.

13 फरवरी 2024 से शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन मामले की सुनवाई बुधवार से सुप्रीम कोर्ट में हो रही है. जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की पीठ सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पंजाब सरकार से पिछले 15 दिन की मेडिकल रिपोर्ट देने को कहा था. वहीं पंजाब सरकार ने कोर्ट को बताया था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी ने किसानों के साथ बैठक की है.

सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र के प्रतिनिधिमंडल से डल्लेवाल बातचीत करने को तैयार हो गए हैं. 14 फरवरी को बैठक होना तय हुआ है. उसे देखते हुए डल्लेवाल और अन्य ने चिकित्सा सहायता ली है और विरोध स्थल से 50 मीटर दूर अस्पताल में स्थानांतरित हो गए हैं. जस्टिस सूर्यकांत ने भी कहा कि सकारात्मक पहल हुई है. हमें यह भी बताया गया है कि कुछ अन्य किसान नेताओं ने भी अपना अनशन तोड़ दिया है और वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है. सभी हितधारक कार्रवाई करने में सक्षम होंगे.और राष्ट्रीय हित में जो भी मुद्दा होगा उसे हल करेंगे. मामले की अगली सुनवाई फरवरी महीने के अंत में होगी.शरीर उनका है, उनकी दया से ही सब होगा. सौहार्द की भावना है, अगर वे मुझे मीटिंग में ले जाएंगे तो मैं भी मीटिंग में जाऊंगा. इधर, डल्लेवाल ने चिकित्सा सहायता लेनी शुरू कर दी है. उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में किसान पहुंच रहे हैं. साथ ही अन्य राज्यों में भी आंदोलन के समर्थन में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसी सिलसिले में महाराष्ट्र के किसानों ने जिला स्तर पर एक दिन की सांकेतिक भूख हड़ताल की. यह मांग पत्र जिला अधिकारियों के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा गया. वहीं, आज तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में किसान एक दिन का सांकेतिक उपवास रख रहे हैं.

डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर रिपोर्ट पेश करेगी पंजाब सरकार

इस बीच पंजाब सरकार की ओर से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की स्वास्थ्य रिपोर्ट पेश की जाएगी. साथ ही आज अनशन के 58वें दिन डल्लेवाल को ट्रॉली से बाहर लाया जाएगा. उन्हें मंच के पास बन रही ट्रॉली/कमरे में शिफ्ट किया जाएगा, जहां उन्हें आसानी से धूप मिल सके. डल्लेवाल ने कहा है कि मुझे इलाज की जरूरत नहीं पड़ी. 121 किसान आमरण अनशन पर थे, इसलिए मुझ पर दबाव पड़ा और इलाज कराने के लिए राजी होना पड़ा. डल्लेवाल ने कहा कि हम यह जंग रोटी से नहीं बल्कि अकाल पुरख के आशीर्वाद से जीतेंगे. गुरु नानक देव जी दया करें,

दो और एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा गंगा एक्सप्रेस-वे

नई दिल्ली.

मेरठ से प्रयागराज तक प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस के एक्सटेंशन को मंजूरी मिल गई है. इसी के साथ गंगा एक्सप्रेस वे को बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से जोड़ने की भी सहमति बन गई है. इस सहमति पर प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित उत्तर प्रदेश सरकार की विशेष कैबिनेट बैठक में मुहर भी लग गई है. कैबिनेट की बैठक के बाद यह जानकारी खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी.उन्होंने बताया कि महाकुंभ में आयोजित कैबिनेट की बैठक में प्रयागराज-चित्रकूट डेवलेपमेंट रीजन के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी गई है.

कैबिनेट का यह फैसला भविष्य में उत्तर प्रदेश के विकास के लिए मील का पत्थर बनेगा. अधिकारियों के मुताबिक अब तक गंगा एक्सप्रेस मेरठ से शुरू होकर प्रयागराज तक बनाने की योजना थी और इस योजना पर बड़े स्तर पर काम भी चल रहा है. लेकिन अब गंगा एक्सप्रेस को मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी चंदौली के रास्ते गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस से कनेक्ट किया जाएगा. इससे बलिया, गाजीपुर मऊ के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा. इन लोगों को दिल्ली आने के लिए लखनऊ के चक्कर नहीं लगाने होंगे.

गंगा एक्सप्रेस के इस एक्सटेंशन वाले हिस्से को प्रयागराज-विंध्य-काशी एक्सप्रेस वे के नाम से जाना जाएगा. इसी प्रकार गंगा एक्सप्रेस से बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे को जोड़े जाने से चित्रकूट और प्रयागराज के बीच बेहतर कनेक्टिविटी हो जाएगी. इसके लिए गंगा एक्सप्रेस को पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से जोड़ा जाएगा.

इसके बाद रीवा नेशनल हाइवे से भी कनेक्ट किया जाएगा. इससे चित्रकूट से लेकर प्रयागराज या फिर नोएडा दिल्ली का सफर आसान हो जाएगा. वहीं यूपी के झांसी से लेकर मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना से लेकर ग्वालियर और बीना तक का सफर बेहतर होगा.